DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, माघ, कृष्ण पक्ष, सप्तमी 2082 | शुक्रवार, 09 जनवरी 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 55 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

रांची में एसटी और धनबाद में सामान्य श्रेणी के बनेंगे महापौर

निकाय चुनाव के लिए आरक्षण सूची जारी

GANDIV REPORTER

रांची। राज्य में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने मेयर एवं नगर परिषद के अध्यक्ष के आरक्षण को लेकर अधिसूचना जारी कर दिया है। आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार रांची महापौर सीट अनुसूचित जनजाति अन्य के लिए आरक्षित किया गया है। वहीं धनबाद नगर निगम के महापौर अनारक्षित अन्य वर्ग के बनेंगे। जारी अधिसूचना के अनुसार पलामू नगर निगम अनारक्षित वर्ग के महिला के लिए आरक्षित की गई है। वहीं हजारीबाग नगर निगम अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 के अन्य, गिरिडीह नगर निगम अनुसूचित जाति अन्य, देवघर नगर निगम अनारक्षित अन्य, बोकारो नगर निगम अनारक्षित अन्य, सरायकेला-खरसावां/आदित्यपुर नगर निगम अनुसूचित जनजाति अन्य और पूर्वी सिंहभूम/मानगो नगर निगम अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित की गई है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने जानकारी देते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव के दौरान नगर निगम के महापौर, नगर पंचायत और परिषद के अध्यक्ष के लिए

आरक्षित सीट की सूची जारी कर दी गई है।

राज्य में 9 नगर निगम सहित 48 शहरी निकायों में होगा चुनाव : वर्तमान समय में राज्य में नगर निकायों की कुल संख्या 48 है जहां चुनाव आने वाले समय में होंगे। इन नगर निकायों में 13 ऐसे हैं जहां 2020 से ही चुनाव लंबित हैं जबकि रांची सहित शेष अन्य नगर निगम एवं निकायों में 2022 से चुनाव लंबित है। वार्ड के सीटों का आरक्षण तय होने के बाद आयोग द्वारा महापौर और अध्यक्ष के लिए सीटों का आरक्षण जारी किया गया है। अगर बात नगर पंचायत की करें तो सभी 19 नगर पंचायत के अध्यक्ष के लिए आरक्षण जारी कर दिया गया है। आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार बंशीधरनगर नगर पंचायत अनारक्षित- महिला, मझिआंव नगर पंचायत अनारक्षित अन्य, हुसैनाबाद नगर पंचायत अनुसूची जाति, हरिहरगंज नगर पंचायत अनुसूचित जाति महिला, छतरपुर नगर पंचायत अनारक्षित अन्य, लातेहार नगर पंचायत अनुसूचित जनजाति अन्य के लिए आरक्षित की गई है। इसी तरह नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए आरक्षित सीटों की घोषणा की गई है। अधिसूचना के अनुसार गढ़वा नगर परिषद अनारक्षित अन्य, विश्रामपुर नगर परिषद अनारक्षित महिला, चतरा नगर परिषद अनारक्षित अन्य, झुमरी-तिलैया नगर परिषद पिछड़ावर्ग 2 अन्य के लिए आरक्षित की गई है।

शहरी नगर निकाय क्षेत्र जहां होने हैं चुनाव

नगर निगम : रांची, हजारीबाग, मेदिनीनगर, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, चास, आदित्यपुर और मानगो शामिल हैं।
नगर परिषद : गढ़वा, विश्रामपुर, चाईबासा, झुमरी-तिलैया, चक्रधरपुर, चतरा, चिरकुंडा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, गुमला, जुगसलाई, कपाली, लोहरदगा, सिमडेगा, मधुपुर, रामगढ़, साहिबगंज, फुसरो और मिहिजाम शामिल हैं।
नगर पंचायत : बंशीधर नगर, मझिआंव, हुसैनाबाद, हरिहरगंज, छतरपुर, लातेहार, कोडरमा, डोमचांच, बड़की सरैया, धनवार, महगामा, राजमहल, बरहरवा, बासुकीनाथ, जामताड़ा, बुंडू, खूंटी, सरायकेला और चाकुलिया हैं।

जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक बने हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने नये मुख्य न्यायाधीश को बधाई दी

GANDIV REPORTER

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनाक को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राजभवन के बिरसा मंडप में शुक्रवार सुबह 9.30 बजे के करीब लोकभवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शपथग्रहण समारोह के मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्य सरकार के मंत्री, झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश एवं न्यायिक और प्रशासनिक सेवा से जुड़े कई बड़े अधिकारी मौजूद थे।

शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नये मुख्य न्यायाधीश को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी।

झारखंड हाइकोर्ट के नये मुख्य न्यायाधीश महेश शरदचंद्र सोनक का कार्यकाल 28 नवंबर 2026 तक रहेगा। गौरतलब है कि जस्टिस तरलोक सिंह चौहान का कार्यकाल समाप्त होने के बाद कल 8 जनवरी को उनके सम्मान में फुल कोर्ट फेयरवेल रेफरेंस आयोजित कर विदाई दी गई। न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक का जन्म 28 नवंबर 1964 को हुआ।

उनकी प्रारंभिक शिक्षा गोवा के पणजी स्थित डॉन बॉस्को हाई स्कूल से हुई। बचपन से ही कानूनी पढ़ाई के प्रति इच्छा रखने वाले जस्टिस सोनक ने अपने करियर में लक्ष्य के रूप में रखकर इसे साकार किया। धेपे कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस से बीएससी तथा एमएस कॉलेज ऑफ लॉ, पणजी से प्रथम श्रेणी में एलएलबी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने जेवियर सेंटर ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च से पुर्तगाली भाषा में डिप्लोमा भी हासिल की। वे अक्तूबर 1988 में महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए। न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक ने मुंबई उच्च न्यायालय की पणजी पीठ में सिविल व संवैधानिक कानून, श्रम एवं सेवा कानून, पर्यावरण कानून, वाणिज्यिक एवं कर कानून, कंपनी कानून तथा जनहित में याचिकाओं के क्षेत्र में प्रैक्टिस की। 21 जून 2013 को वे मुंबई उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त हुए और दो मार्च 2016 को स्थायी न्यायाधीश बने।

मैक्लुस्कीगंज में पारा-2 डिग्री पहुंचा, जनजीवन हुआ बेहाल

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड इन दिनों हाड़ कंपाने वाली ठंड की गिरफ्त में है। रात होते ही सड़कों पर सन्नाटा पसरा जाता है और सुबह की शुरूआत घने कोहरे व सर्द हवाओं के साथ हो रही है। राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान तेजी से लुढ़क गया है, जिससे जनजीवन बेहाल हो गया है।

रांची आसपास के ग्रामीणों इलाकों में ठंड का सितम जारी है, मैक्लुस्कीगंज का तामपान शुक्रवार को सुबह -2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। खलारी कोयलांचल आसपास के इलाकों में पिछले चार दिन से शीतलहरी हवाएं से ठंडक दस्तक दे दी है। सुबह धुंध छाई रही सूर्योदय के बाद पूरे दिन आसमान में धूप खिली रही लेकिन सर्द पछुआ हवाओं ने मौसम में कन कनकनी ला दी। ठंडक बढ़ने से बाजारों में चहल-पहल घट गई है। जिससे शाम होते ही लोग घरों में दुबकने लगे। शाम होते ही चौक चौराहों में लोग अलाव जलाकर तपते देखे गए। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 10 जनवरी को राज्य के पश्चिमी, उत्तरी-मध्य और दक्षिणी हिस्सों में सुबह के समय शीतलहर का असर देखने को मिल सकता है।। रांची, बोकारो, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, पलामू और लातेहार सहित कई जिलों में कंपकंपा देने वाली ठंड से राहत के आसार नहीं हैं। अगले दो से तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में खास बदलाव की संभावना भी नहीं जताई गई है।

कोडरमा में दम घुटने से दंपति की हुई मौत

GANDIV REPORTER

कोडरमा। कोडरमा थाना क्षेत्र के पुरनानगर में गुरुवार रात बोरसी के धुएं के कारण दम घुटने से एक दंपती की मौत हो गई है। मृतक दंपती की पहचान वीरेंद्र शर्मा उर्फ नन्हकू और उनकी पत्नी कांति देवी के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में मृत दंपती की बड़ी बहू जयंती देवी ने बताया कि गुरुवार की शाम उनके ससुर वीरेंद्र शर्मा अपनी आंख संबंधित कुछ समस्या को लेकर सदर अस्पताल गए हुए थे। अस्पताल से वापस घर लौटने पर पूरा परिवार साथ में खाना खाया। जिसके बाद वीरेंद्र शर्मा और उनकी पत्नी कांति देवी रात के करीब 11:00 बजे अपने कमरे में सोने चले गए। अत्यधिक ठंड के कारण वीरेंद्र शर्मा और उनकी पत्नी कमरे में बोरसी जलाकर सोए हुए थे।

दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह करीब 6:00 बजे जब उनकी बहू झाड़ू लगाने के लिए अपने सास-ससुर के कमरे में पहुंची तो देखा कि कमरे में उनके सास और ससुर जमीन पर बेसुध अवस्था में गिरे हुए हैं। दोनों के नाक से खून निकल रहा था। जिसके बाद उसने शोर मचाकर अपने पति और परिवार के अन्य सदस्यों को उठाया। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच कर दोनों को मृत घोषित कर दिया। बता दें कि मृतक वीरेंद्र शर्मा कोडरमा बाजार में अपनी सैलून चला कर अपना और परिवार का जीवन-यापन करते थे। इधर, घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

गांव में घुसा जंगली हाथी, दो को मारा

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले में जंगली हाथियों का आतंक लगातार जानलेवा रूप लेता जा रहा है। मझगांव प्रखंड की बेनीसागर पंचायत अंतर्गत तिलोकुटी गांव में शुक्रवार को एक जंगली हाथी ने गांव में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। हाथी के हमले में बेनीसागर निवासी 40 वर्षीय प्रकाश मालवा और एक अन्य की दर्दनाक मौत हो गई। बीते 9 दिनों के भीतर जिले में हाथी के हमले से मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है, जिससे प्रशासन और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जंगली हाथी जंगल से निकलकर सीधे रिहायशी इलाके में घुस आया और सामने आए दो लोगों पर अचानक हमला कर दिया। एक व्यक्ति को हाथी ने मौके पर ही कुचल दिया और धड़ से सिर अलग कर दिया। वहीं दूसरा व्यक्ति हाथी के दांत में फंस गया।

सीएम हेमंत ने सरायकेला मेडिकल कॉलेज का किया उद्घाटन, कहा

आज का दिन कोल्हान के लिए ऐतिहासिक मेडिकल कॉलेज का सपना बना हकीकत

GANDIV REPORTER

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शुक्रवार को सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संस्थान की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए भविष्य बदलने वाला कदम बताया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का दिन कोल्हान के लिए ऐतिहासिक है। सरायकेला में उच्च स्तरीय मेडिकल कॉलेज का सपना अब हकीकत बन गया है।

यह संस्थान न केवल शिक्षा प्रदान करेगा बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी समाज की सेवा के लिए योग्य डॉक्टर तैयार करेगा। उन्होंने बताया कि झारखंड में वर्तमान में 10 मेडिकल कॉलेज हैं, और सरकार का लक्ष्य अगले चार वर्षों में इसे 20 तक बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि चाईबासा, कोडरमा और बोकारो में सरकारी मेडिकल कॉलेजों का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। मुख्यमंत्री ने मेडिकल स्टूडेंट्स को भरोसा दिलाया कि उन्हें संस्थान से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी और समय-समय पर वे संस्थान से संपर्क बनाए रखेंगे ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र में और सुधार किया जा सके। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने झारखंड के मेडिकल सिस्टम में सुधार की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि राज्य में अब थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया के मरीजों का व्यापक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें अन्य राज्यों के अस्पतालों का रुख न करना पड़े।

संस्थान के चैयरमैन एम. एन सिंह ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के लिए मुख्यमंत्री और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के सहयोग से 2022 में भूमि आवंटित की गई थी। मेडिकल कॉलेज फिलहाल 100 एमबीबीएस सीटों के साथ शुरू हुआ है और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करता है।

ममता ने ईडी के खिलाफ दो एफआईआर कराईं, दिल्ली में टीएमसी ने खोला मोर्चा

GANDIV REPORTER

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के आईटी सेल के चीफ के ठिकानों पर गुरुवार को हुई ईडी रेड के विरोध में टीएमसी दिल्ली से कोलकाता तक विरोध प्रदर्शन कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी पर दो एफआईआर भी दर्ज कराई है। उन्होंने कोलकाता में मार्च भी निकाला। इधर कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोर्ट परिसर में भारी भीड़ और हंगामे की वजह से ईडी की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। याचिका में ममता बनर्जी के खिलाफ छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

इससे पहले शुक्रवार सुबह पार्टी के 8 सांसदों ने दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। डेरेक ओ ब्रॉयन, महुआ मोइत्रा, कीर्ति आजाद नारेबाजी करते नजर आए। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई, कुछ सांसद गिर भी गए। पुलिस ने सांसदों को सुबह 10 बजे हिरासत में लिया और दोपहर 12 बजे छोड़ा।

इस कार्रवाई के बाद ममता बनर्जी ने पर लिखा- गृह मंत्री के दफ्तर के बाहर विरोध करना, हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्हें सड़कों पर घसीटना कानून का पालन नहीं है, बल्कि यह पुलिस की घमंड दिखाने की कोशिश है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से पूर्व अनूठा उत्साह

भगवान सोमनाथ के दर्शनार्थ पहुंचे हजारों साधु-संत

साधु-संतों की सोमनाथ के शंख चौक से मंदिर तक की पदयात्रा में शिवजी के प्रिय वाद्य डमरू के नाद की गूंज, राज्य के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. प्रद्युमन वाजा साधु-संतों की पदयात्रा में सहभागी हुए

GANDIV REPORTER

गांधीनगर। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन से पूर्व भव्य एवं दिव्य वातावरण का सृजन हुआ है। शुक्रवार को गिरनार तीर्थक्षेत्र सहित साधु-संत सोमनाथ के शंख चौक से पदयात्रा कर देवाधिदेव भगवान महादेव के दर्शनार्थ पहुंचे। आध्यात्मिक चेतना को उजागर करने वाली इस पदयात्रा में राज्य के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. प्रद्युमन वाजा, सांसद श्री राजेशभाई चुडासमा आदि महानुभाव सहभागी हुए। इस पदयात्रा में गिरनार तीर्थक्षेत्र के श्री इंद्रभारती बापू, श्री महेंद्रनंदगिरी बापू, श्री हरिहरानंद बापू सहित साधु-संत जुड़े। इस दौरान बड़ी संख्या में साधु-संतों ने भगवान शिवजी के प्रिय वाद्य डमरू के नाद की गूज से आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रसार किया। इसके अलावा; लगभग 75 ढोलवादकों वाले सिद्धिविनायक ढोल ग्रुप ने तालबद्ध प्रस्तुति से अनूठा माहौल बनाया।

इस पदयात्रा में विधायक सर्वश्री भगवानभाई बारड, अनिरुद्धभाई दवे, पूर्व सांसद सर्वश्री दीनूभाई सोलंकी, मोहनभाई कुंडारिया, अग्रणी सर्वश्री धवलभाई दवे, पुनीतभाई शर्मा, झवेरीभाई ठकरार आदि महानुभाव सहभागी हुए और उन्होंने भगवान सोमनाथ के भावपूर्ण दर्शन कर धन्यता की अनुभूति की। इस पदयात्रा के दौरान पुष्पवर्षा के साथ साधु-संतों तथा महानुभावों का अभिवादन किया गया। इस पदयात्रा से समग्र सोमनाथ मंदिर परिसर में भव्य एवं दिव्य वातावरण का सृजन हुआ। इसके अलावा; उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी साधु-संतों के दर्शन कर धन्यता की अनुभूति की।

रांची में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए आदिवासी खिलाड़ी की चयन प्रक्रिया शुरू

GANDIV REPORTER

रांची। देशभर के उभरते आदिवासी खिलाड़ियों को खेलों के माध्यम से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स एक बड़े मंच के रूप में सामने आया है। इस विशेष खेल आयोजन के तहत झारखंड के आदिवासी खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया रांची में शुरू हो गई है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में भाग लेंगे आदिवासी खिलाड़ी : रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में झारखंड के 24 जिलों से आए प्रतिभाशाली आदिवासी खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया चल रही है। इस चयन के माध्यम से प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सात खेलों के लिए हो रहा चयन : खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए झारखंड से सात खेल विधाओं में खिलाड़ियों का चयन किया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से एथलेटिक्स पर जोर दिया गया है, यहां 17 अलग-अलग इवेंट्स में प्रतिभागियों की क्षमता को परखा जा रहा है। चयन प्रक्रिया में दौड़, कूद और थ्रो से जुड़े इवेंट शामिल हैं, जिनमें राज्य के विभिन्न जिलों से आए युवा खिलाड़ी अपना हुनर दिखा रहे हैं।

ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की भरमार : आशा किरण बारला

वहीं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आशा किरण बारला ने इस पहल को आदिवासी खेल प्रतिभाओं के लिए मील का पत्थर बताया। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आशा किरण बारला ने कहा कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की भरमार है लेकिन मंच के अभाव में कई खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाते। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स से बच्चों को नई दिशा मिलेगी और आने वाले समय में यही खिलाड़ी देश के लिए एशियाड और ओलंपिक में पदक जीतेंगे।

ओलंपिक तक का सपना : खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के माध्यम से अब भारत के आदिवासी खिलाड़ियों को खेलों से जोड़ने की मजबूत पहल शुरू हो गई है। इस योजना का दीर्घकालिक लक्ष्य इन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों और ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाना है।

झारखंड की भूमिका : झारखंड पहले से ही खेल प्रतिभाओं की नर्सरी माना जाता रहा है। हॉकी, एथलेटिक्स और तीरंदाजी जैसे खेलों में राज्य ने देश को कई नामचीन खिलाड़ी दिए हैं। अब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के जरिए राज्य की आदिवासी प्रतिभाओं को नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

शहीद शेख भिखारी व टिकैत उमराव का शहादत दिवस मना

GANDIV REPORTER

रांची। अमर शहीद शेख भिखारी समारोह समिति ने पुंदाग में शहीद शेख भिखारी व टिकैत उमराव दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि डॉक्टर इरफान अंसारी माननीय मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ,विशिष्ट अतिथि पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शहदेव अध्यक्ष जेएससीए, और विशिष्ट अतिथि तनवीर खान उपाध्यक्ष झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी और विशिष्ट अतिथि मुजीब अली निर्देशक इंडियन पब्लिक स्कूल चंदवे, मुख्य संरक्षक कुर्बान खान अध्यक्ष मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन रांची जिला , द्वीप प्रजलित राजेश कच्छप मानिए विधायक खिजरी विधायक ने किया और अतिथि शहीद शेख भिखारी की परपोती शेख इम्तेशम अली

शहीद शेख भिखारी टिकैत उमराव श्रद्धांजलि दी गई इसके बाद रात 10बजे से कव्वाली का कार्यक्रम शुरू हुआ बनारस के मशहूर कव्वाल ताहिर चिश्ती और रौनक जहां के बीच ने कवाली पेश की कार्यक्रम के अध्यक्षता बिंदे मुंडा ने किया समारोह स्थल मेला और बच्चों के झूले लगाए गए

इस समारोह में बिंदे मुंडा ,निजामुद्दीन मस्तान बाबा, कुदूस अंसारी, अफरोज अंसारी, रोशन अंसारी,मुस्तफा अंसारी,वसीम भंडारी,मोबिन अंसारी, सरताज अंसारी, तौसीफ खान ,खुर्शीद अंसारी,अरशद अंसारी ,जाबिर अंसारी ,एजाज अंसारी, सायुब अंसारी और समसुल अंसारी अन्य उपस्थित थे।

एसआईआर को लेकर भाजपा तैयार : दीपक प्रकाश

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर एक ओर जहां चुनाव आयोग तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटा है। वहीं दूसरी ओर सियासी बयानबाजी के साथ राजनीतिक दलों ने भी इसकी तैयारी शुरू कर दी है। एसआईआर का शुरू से समर्थन कर रही भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद है कि इसके जरिए बड़ी संख्या में अवैध मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से हटेगा।

बीजेपी अपने कार्यकताओं की टीम बनाने में जुटी

पार्टी ने रक्फ़(स्पेशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट) के प्रावधानों के बारे में जनता को बताने का फैसला किया है, जिससे सभी वैध वोटर का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके। पार्टी इसके लिए मंडल से लेकर

प्रदेश स्तर पर अपने कार्यकताओं की टीम बनाने में जुटी है। साथ ही इस कार्य में सहायक बनने वाले पार्टी के बीएलए की सूची आयोग को सौंपी गई है।

एसआईआर के माध्यम से भारत के सच्चे मतदाता भाग्य विधाता होंगे: दीपक प्रकाश

झारखंड में शुरू हो रहे एसआईआर का स्वागत करते हुए भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा है कि इसके माध्यम से भारत के सच्चे मतदाता भाग्य विधाता होंगे। उन्होंने विरोधियों पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भी सात बार एसआईआर हुआ है, इसके बाबजूद वह विरोध कर रही है। हद तो यह है कि बिहार में कांग्रेस ने इसके विरोध में यात्रा की और जनता ने उसे ठुकरा दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राजद के जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं वह देश के साथ अन्याय कर रहे हैं और बांग्लादेशी घुसपैठिए को संरक्षण दे रहे हैं। इससे दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि उनके बलबूते यह लोग सत्ता पर काबिज होना चाहते हैं। इनके लिए नेशन फस्ट नहीं है, इलेक्शन फस्ट है। हमारे लिए नेशन फस्ट है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों बाहर होंगे

दीपक प्रकाश ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा तैयार रहती है, यहां राष्ट्र भक्तों का जमावड़ा है। एसआईआर को लेकर हम सभी पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि झारखंड की जनता एसआईआर का विरोध करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देगी और बांग्लादेशी घुसपैठियों को यहां से बाहर करने का काम करेगी।

बांसारूली पंचायत में कबंल वितरण

मुरी। शुक्रवार को बांसारूली पंचायत भवन के पास कंबल वितरण किया गया। पंचायत सचिव सुनीता तिक्री और ग्राम प्रधान की उपस्थिति में पंचायत के मुखिया लालू राम उरांव ने अपने हाथों से जरूरत मंद ग्रमीणों को कंबल दिया। उन्होंने कहा कि शीत लहरी के कारण क्षेत्र में काफी ढंड है स्कूल में भी छुट्टी है। बुजुर्ग और बृध्द व्यक्ति को ढंड में कंबल सबसे ज्यादा जरूरी है। ज्यादातर 60 के उपर उम्र करीब 52 ग्रमीणों को वितरण किया गया।जिसमें गिरी देवी, बादल देवी, नुनी बाला देवी, गुनो मांझी, महेन्द्र साहु आदि को दिया गया।

सर्वर अपग्रेडेशन बना जी का जंजाल म्यूटेशन प्रक्रिया 45 दिनों से ठप

GANDIV REPORTE

रांची। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का सर्वर अपग्रेडेशन आम जनता के लिए जी का जंजाल बन गया है। विभाग के दावों के उलट, सर्वर अपग्रेड होने के बाद से राज्य में म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) की प्रक्रिया ठप पड़ गई है।

हालात यह हैं कि पिछले 45 दिनों से नया म्यूटेशन आवेदन नहीं हो पा रहा है, जिससे जमीन की खरीद-बिक्री और जरूरी कागजी कामकाज रुक गया है। इससे जहां आम लोग परेशान हैं, वहीं सरकार को भी भारी राजस्व नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सर्वर 'अपग्रेड' या सिस्टम 'डाउनग्रेड' : हैरानी की बात यह है कि जिसे विभाग सुधार बता रहा है, उसी ने सिस्टम की कमर तोड़ दी है। अपग्रेडेशन के बाद सिस्टम पहले से ज्यादा धीमा और अव्यवस्थित हो गया है। स्थिति ऐसी है कि सर्वर अपग्रेड के नाम पर मानो सिस्टम को डाउनग्रेड कर दिया गया हो।

हर जगह मिल रहा रटा-रटाया जवाब : सर्वर की खराबी के कारण न तो नया आवेदन हो पा रहा है और न ही पहले से दर्ज आवेदन आगे बढ़ पा रहे हैं। म्यूटेशन नहीं होने से लोग अंचल कार्यालय से लेकर जिला मुख्यालय तक चक्कर काटने को मजबूर हैं। लेकिन हर जगह अधिकारियों की ओर से एक ही जवाब मिल रहा है। सर्वर पर काम चल रहा है, जल्द ठीक हो जाएगा। लेकिन यह जल्द कब आएगा।

झारखंड पुलिस जनता के बजाय सीएम के लिए कर रही काम : बाबूलाल मरांडी

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा इलाके से दो मासूम बच्चों के लापता होने के एक सप्ताह बाद भी उनकी सकुशल बरामदगी नहीं होने को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि यह घटना सरकार और पुलिस की कार्यशैली की विफलता को उजागर करती है।

बाबूलाल मरांडी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यदि पुलिस ने समय रहते प्राथमिकी दर्ज कर तत्परता से जांच शुरू की होती और डॉग स्क्वाड समेत अन्य संसाधनों का तत्काल उपयोग किया गया होता, तो हालात अलग हो सकते थे।

उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया जाना दशार्ता है कि मामला कितना गंभीर है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि पुलिस विभाग जनता के प्रति जवाबदेह होने के बजाय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निजी हितों को साधने में लगा हुआ है। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को जंगलराज जैसी बताते हुए कहा कि अपहरण, लूट और हत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम लोग भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं।

उन्होंने झारखंड पुलिस पर जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय वसूली करने का आरोप भी लगाया। बाबूलाल मरांडी ने सरकार से इस पूरे मामले में जवाबदेही तय करने और लापता बच्चों की शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित करने की मांग की है।

टीवीएनएल के महाप्रबंधक पर भ्रष्टाचार का आरोप

सत्ताधारी दल के विधायक ने सीएम को लिखा पत्र, कार्रवाई की मांग

GANDIV REPORTER

रांची। तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड महाप्रबंधक सह प्रबंधक निदेशक (अस्थायी प्रभार) अनिल कुमार शर्मा पर सत्ताधारी दल के विधायक ने गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। बोकारो के बेरमो से कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने अनिल कुमार शर्मा पर भ्रष्टाचार के कई गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों का भी जिक्र किया है। सीएम को लिखे पत्र में कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल ने लिखा है कि प्रभार ग्रहण करते ही अनिल कुमार शर्मा अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए

भ्रष्टाचार के कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने पत्र में पांच मामलों का जिक्र किया है।

कांग्रेस विधायक का पहला आरोप : कांग्रेस विधायक का कहना है कि विद्युत अधीक्षण अभियंता अशोक प्रसाद ने पूर्व में 35-40 लाख का घोटाला किया था। तब तत्कालीन प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार सिन्हा ने उनके खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया था। इस बाबत दो पत्र भी 5-6-2020 को पत्र भी जारी किया गया था। लेकिन संचिका को नष्ट कर दिया गया। साथ ही वर्तमान प्रबंध निदेशक (प्रभारी) अनिल कुमार शर्मा ने इंजीनियर के खिलाफ ना तो विभागीय कार्रवाई की और ना ही एफआईआर दर्ज करवाया। साथ ही अशोक प्रसाद को अधीक्षण अभियंता (असैनिक) और अदीक्षण अभियंता (मानव संसाधन) के पद की भी जिम्मेदारी दे दी गई।

कांग्रेस विधायक का दूसरा आरोप : उपलेखा निदेशक के पद से कृष्ण कुमार सिंह ने स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन प्रबंध निदेशक अनिल कुमार शर्मा ने बिना विज्ञापन निकाले और नियुक्ति प्रक्रिया का पालन किए बगैर कृष्ण कुमार सिंह को निगम में उपलेखा निदेशक के पद पर बहाल कर दिया।

टीवीएनएल के एमडी पर तीसरा आरोप : तजेंद्र सिंह मलहोत्रा ने डीडीए के पद पर रहते हुए संवेदकों से मनी लांड्रिंग कर अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के खातों में पैसे मंगवाये थे। आंतरिक जांच में यह बात प्रमाणित भी हो गई थी। लेकिन प्रबंध निदेशक अनिल कुमार शर्मा कार्रवाई करने के बजाए उन्हें बचा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि कनीय पदाधिकारी अभिनव गौरव द्वारा हाईकोर्ट में दर्ज मामले को दबाव डालकर उठवा दिया गया।

गलत तरीके से उच्च वेतनमान बढ़ाने और प्रोन्नति का आरोप : कांग्रेस विधायक का आरोप है कि प्रबंध निदेशक अनिल कुमार शर्मा ने ऊर्जा विभाग के नियम के खिलाफ बोर्ड को गुमराह कर ना सिर्फ उच्च वेतनमान बढ़ा लिया बल्कि इंजीनियर इन चीफ के पद पर प्रोन्नति भी करा ली। खुले तौर पर प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग किया।

कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल के मुताबिक निगम के डीओपी और वर्कस प्रोक्योरमेंट पॉलिसी 2012 के तहत निगम का महत्वपूर्ण प्रबंधकीय निर्णय और वित्तीय शक्ति वाले दोनों पदों पर एक ही व्यक्ति का बने रहना सही नहीं है।

रांची रॉयल्स ने एसजी पाइपर्स को दी मात, हासिल किया तीसरा स्थान

GANDIV REPORTER

रांची। वीमेंस हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 के अपने अंतिम मुकाबले में रांची रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसजी पाइपर्स को 5-2 से शिकस्त दी और टूनार्मेंट में तीसरा स्थान पक्का कर लिया।घरेलू दर्शकों के सामने खेले गए इस मुकाबले में रांची रॉयल्स ने खास तौर पर चौथे क्वार्टर में आक्रामक खेल दिखाते हुए जीत पर मुहर लगाई।

इस जीत की नायिकाएं लुसीना वॉन डर हेडे और हन्ना कॉटर रहीं, जिन्होंने दो-दो गोल दागे।मैच की शुरूआत रञ्च पाइपर्स ने तेज दबाव के साथ की लेकिन पहले ही मिनट में रांची रॉयल्स ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर मैच पर पकड़ बना ली।ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ लुसीना वॉन डर हेडे ने दूसरे मिनट में सटीक निशाना लगाकर

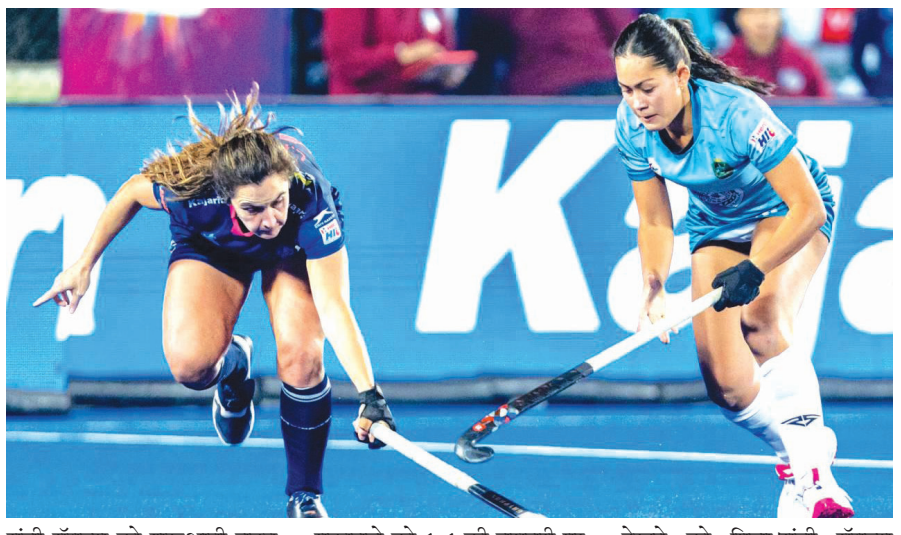

रांची रॉयल्स को शुरूआती बढ़त दिलाई।शुरूआती गोल के बाद रांची रॉयल्स ने खेल की रफ्तार को नियंत्रित किया। हालांकि एसजी पाइपर्स की कप्तान नवनीत कौर ने 10वें मिनट में गोल कर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

पहले क्वार्टर का खेल बराबरी पर समाप्त हुआ।

दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच तेज और रोमांचक खेल देखने को मिला।रांची रॉयल्स ने लगातार सर्कल में प्रवेश कर दबाव बनाया, जिसका फायदा 24वें मिनट में मिला।जब संगीता कुमारी ने खाली जगह का फायदा उठाते हुए शानदार गोल दागा।इस

गोल के साथ रांची रॉयल्स ने फिर से बढ़त बना ली।हाफ टाइम तक रांची रॉयल्स ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और 2-1 की बढ़त के साथ ब्रेक में गई।तीसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने मिडफील्ड पर मजबूत पकड़ बनाए रखी और सतर्क खेलते हुए बढ़त को बचाए रखा।इस दौरान टीम को कई मौके मिले, जिनमें पेनल्टी कॉर्नर भी शामिल थे लेकिन उन्हें भुनाया नहीं जा सका।वहीं एसजी पाइपर्स ने भी जवाबी हमले किए और रांची की डिफेंस को परखा लेकिन गोल करने में नाकाम रही।तीसरा क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ।चौथे और अंतिम क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने पूरी तरह से मैच पर कब्जा कर लिया।47वें मिनट में लुसीना वॉन डर हेडे ने पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 3-1 कर दिया।इसके बाद हन्ना कॉटर ने 55वें और 60वें मिनट में लगातार दो गोल कर एसजी पाइपर्स की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। एसजी पाइपर्स की ओर से नवनीत कौर ने 58वें मिनट में अपना दूसरा गोल जरूर किया लेकिन यह केवल सांत्वना साबित हुआ। इस जीत के साथ रांची रॉयल्स ने टूनार्मेंट में तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि एसजी पाइपर्स पहले ही फाइनल में जगह बना चुकी हैं। मैच के दौरान रांची रॉयल्स का आक्रामक खेल, मजबूत डिफेंस और बेहतरीन टीम वर्क देखने लायक रहा।घरेलू दर्शकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

रिम्स और राज हॉस्पिटल को किडनी ट्रांसप्लांट की मंजूरी

GANDIV REPORTER

रांची। राज्य में किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज रिम्स और राज हॉस्पिटल को किडनी प्रत्यारोपण का लाइसेंस देने पर सहमति बन गई है।

जल्द ही दोनों संस्थानों को औपचारिक लाइसेंस जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद झारखंड के मरीजों को इलाज के लिए बाहर जाने की मजबूरी नहीं रहेगी। यह निर्णय आज स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम के तहत गठित परामर्शदात्री समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज, सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिवनारायण सिंह, निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, डॉ. संजय कुमार, रिम्स के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रकाश, नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा घोष पंत, उप सचिव ध्रुव प्रसाद सहित एनजीओ प्रतिनिधि सरिता पांडेय और प्रगति शंकर उपस्थित रहीं। बैठक में सर्वसम्मति से रिम्स और राज हॉस्पिटल को किडनी ट्रांसप्लांट की अनुमति देने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होते ही लाइसेंस जारी कर दिया जाएगा। इसके साथ ही राज्य में अंग प्रत्यारोपण की सुविधाओं का विस्तार संभव हो सकेगा।

बैठक में राज्य के अन्य सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों में लिवर, हार्ट और किडनी ट्रांसप्लांट की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। इस संबंध में 15 जनवरी को राज्य के 10 चिकित्सा महाविद्यालयों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। अपर मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत राज्य से बाहर इलाज के लिए जाने वाले मरीजों की संख्या कम करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि गंभीर बीमारियों का इलाज राज्य में ही उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं को मजबूत किया जाए। इसके लिए अतिरिक्त संसाधनों पर भी विचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के अंतर्गत एक विशेष पैकेज तय किया है, ताकि गंभीर रोगों का इलाज राज्य के भीतर ही संभव हो सके। बैठक में स्पष्ट किया गया कि आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के दायरे में आने वाले मरीजों का इलाज अनिवार्य रूप से राज्य में ही किया जाएगा। केवल उन्हीं मरीजों को राज्य के बाहर इलाज की अनुमति दी जाएगी, जो इस योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं।

लापता भाई-बहन की तलाश में तीन एसपी के नेतृत्व में मौसीबाड़ी बस्ती में छापेमारी

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित मुसीबारी से बीते 2 जनवरी को लापता हुए भाई-बहन की तलाश में पुलिस लगातार जुटी हुई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी और ट्रैफिक एसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौसीबाड़ी और उसके अगल-बगल के इलाकों में तलाशी अभियान चला रही है। एक तरफ जहां रांची पुलिस की टेक्निकल टीम कॉल रिकॉर्ड्स, सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर दोनों बच्चों का पता लगाने की कोशिश कर रही है, वहीं दूसरी

तरफ डॉग स्क्वायड की टीम प्रशिक्षित कुत्तों की मदद से लापता बच्चों के सुराग खोजने में जुटी हुई है।

पुलिस ने जनता से भी की अपील : सर्च ऑपरेशन में धुर्वा, जगरनाथपुर और सुखदेवनगर थाना प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल को लगाया गया है। मौसीबाड़ी और उसके आसपास के संभावित ठिकानों पर सघन तलाशी ली जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सर्च टीम हर उस व्यक्ति से पूछताछ कर रही हैं जिस पर बच्चों को लेकर कोई भी संदेह है। आठ दिन बीत जाने के कारण बच्चों के परिजनों और स्थानीय लोगों में अब मायूसी माहौल है। परिजन लगातार पुलिस से अपील कर रहे हैं कि उनके बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित वापस लाया जाए। पुलिस ने जनता से भी अपील की है कि अगर किसी को भी बच्चों के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत स्थानीय थाने या वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क करें।

मरीजों के इलाज में आयुष्मान कार्ड वरदान साबित हो रहा है : आदित्य

ओरमांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य मेला का आयोजन

GANDIV REPORTER

ओरमांझी। ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिस्का डुंडे में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजित किया गया, जिसमें 18 पंचायतों के लगभग 800 मरीजों ने इलाज करवाया। मेले में सभी बीमारियों के इलाज के लिए विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें सामान्य चिकित्सा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, आयुष विभाग, शुगर और बीपी के रोगियों की जांच, दंत जांच और टीकाकरण, जैसी सुविधाएं शामिल थीं । स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू,जिला परिषद सदस्य सरिता देवी,प्रमुख अनुपमा देवी, विधायक प्रतिनिधि हरिमोहन महतो,अमरनाथ चौधरी,डीपीसी प्रीति चौधरी,समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी रेणु बाखला,प्रधान लिपिक गंगाधर करमाली,अब्दुल्लाह खान,आनंद कुमार,सोनल कुजूर,इशरत जहाँ,जावेद अहमद,संदीप सिंह सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस

अवसर पर मुख्य अतिथि आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने आयुष्मान कार्ड लांच कर मरीजों के जीवन बचाने का काम किया है, जिससे मरीजों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है ।स्वास्थ्य मेलों में मरीजों को निशुल्क दवा और जांच की सुविधा प्रदान की गई, स्वास्थ्य मेला से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने में मदद मिलती है । इस तरह के आयोजनों से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सकता है और समय पर इलाज सुनिश्चित किया जा सकता है।

आरपीएफ ने 'नन्हें फरिश्ते' अभियान के तहत दो नाबालिग बच्चियों को बचाया

GANDIV REPORTER

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) अपनी ड्यूटी का निर्वहन पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कर रहा है। इसी क्रम में आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के विशेष निर्देश पर 8 जनवरी को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई।

नन्हें फरिश्ते' अभियान के तहत आरपीएफ पोस्टरांची की मानव तस्करी विरोधी इकाई टीम ने दीनदयाल उपाध्याय नगर टीम और अपराध आसूचना शाखा रांची के साथ मिलकर रांची रेलवे स्टेशन पर संयुक्त रूप से गहन जांच अभियान चलाया। शाम में जांच के दौरान, प्लेटफार्म संख्या-2 पर दो लड़कियां संदिग्ध अवस्था में अकेली बैठी हुई मिलीं। उनकी शारीरिक बनावट से वे नाबालिग प्रतीत हो रही थीं।

टीम ने तत्काल उनसे पूछताछ की। पूछताछ में लड़कियों ने बताया कि वे दोनों झारखंड के खूंटी जिला की रहने वाली हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वे घरेलू काम की तलाश में अपने घर से निकली थीं और रांची पहुंची थीं।

जांच और सत्यापन के बाद दोनों लड़कियों के नाबालिग होने की पुष्टि हुई। उनकी सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आरपीएफ टीम ने सभी आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कीं। इसके बाद दोनों नाबालिग बच्चियों को चाइल्डलाइन रांची के सदस्यों के सुपुर्द कर दिया गया।

नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी, भविष्य पर संकट

रांची। झारखंड के कई जिले इन दिनों नशाखोरी के खतरनाक जाल में फंसते जा रहे हैं, जहां 18 से 30 साल की युवा पीढ़ी ड्रग्स और मादक पदार्थों की गिरफ्त में है। राजधानी रांची समेत जमशेदपुर और हजारीबाग जैसे बड़े शहर अब रेड जोन में आ चुके हैं, जहां ब्राउन शुगर, गांजा, अफीम, नशीली दवाइयां, सिरप और इंजेक्शन का अवैध कारोबार तेजी से फैल रहा है। नशे की हालत में युवा आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे है। हाल के दिनों में इसका एक उदाहरण रांची देखने को मिला है, जब बीते चार जनवरी की रात मून डिस्को बार के बाहर के लड़के को कार से कुचलक दिया गया। इसके पीछे की जो कहानी है, वो चौंकाने वाला है। जिस अंकित नाम के युवक को कार से कुचल दिया गया।

नशा उन्मूलन पर रिनपास में डालसा का विधिक जागरूकता कार्यक्रम

गैरकानूनी है अफीम-पोस्ता का उत्पादन : राजेश

GANDIV REPORTER

रांची। न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजित नारायण प्रसाद के दिशा निर्देश पर एवं न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के नेतृत्व में तथा डालसा सचिव की देखरेख में आज दिनांक 09.01.2026 को रिनपास, रांची में डॉन अभियान-2025 के तहत नशा मुक्ति पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लाइफ सेवर्स सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा, डिप्टी एलएडीसीएस डिपूटी, राजेश कुमार सिन्हा, सीआईडी के एस.आई. सत्यप्रकाश दुबे, ड्रग्स कन्ट्रोल विभाग के स्वपनिल निखिल, डॉ. रमेश हेम्ब्रम, डॉ. रूपा घोष, डॉ. दिपाली, डॉ. रजनी लाल, डॉ. सजल नाग, डॉ. पी.पी. शाह, डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. विनोद कुमार महतो, डॉ. मनीषा किरण, डॉ. मोहित सिंह, पीएलवी पी. के. उपाध्याय, भारती शाहदेव, प्रीति पाल, सम्पा दास, शारदा देवी, मालती देवी, राजेन्द्र महतो समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

एलएडीसीएस अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 47 में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मादक पेय और नशीली दवाओं

के सेवन को औषधीय उद्देश्यों को छोड़कर समाप्त करने का प्रावधान किया गया है। अफीम या पोस्ता के उत्पादन या कब्जे पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मात्रा के आधार पर 20 साल तक के कठोर कारावास एवं 2 लाख रुपए के जुमार्ने की सजा हो सकती है। बार-बार अपराध करने पर मृत्युदंड तक दिया जा सकता है। श्री सिन्हा ने नालसा टॉल फ्री नम्बर 15100 पर चर्चा किये।

लाईफ सेवर्स एनजीओ के प्रमुख, अतुल गेरा कहा कि नशा हमारे देश को खोखला कर रहा है। नशा से बचने के लिए छात्र-छात्राओं के बीच विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करना आवश्यक है।

सीआईडी के एस.आई. सत्यप्रकाश दुबे ने मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित जानकारी प्रदान की तथा मादक पदार्थों की तस्करी में बच्चों और नवयुवकों को कैसे उपयोग में लिया जा रहा है, इससे बचने के लिए उन्होंने छात्रों को जानकारी दी।

यह भी ज्ञात हो कि आज दिनांक 09.01.2026 को नालसा डॉन योजना - 2025 के तहत नुक्कड़-नाटक का भी आयोजन किया गया। आज दिनांक 09.01.2026 को रिम्स अस्पताल, रांची एवं कोकर वेजिटेबल मार्केट में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशामुक्ति अभियान नालसा डॉन योजना-2025 के बारे में जानकारी दी गयी। नुक्कड़ नाटक टीम में निर्देशक व अभिनेता अशोक गोप, साथी कलाकार हिमांशु, रोहित, धर्मेंद्र कश्यप, सुमंत, वर्षा एवं शर्मिष्ठा उपस्थित थे, जिनके द्वारा प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत किया गया व नालसा डॉन योजना-2025 के प्रचार-प्रसार टीम ने सक्रिय भूमिका निभायी।

16 से 18 को मारवाड़ी भवन में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा

मारवाड़ महोत्सव 2026 का पोस्टर विमोचन

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 16 से 18 जनवरी 2026 तक स्थानीय मारवाड़ी भवन में तीन दिवसीय मारवाड़ महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव का उद्देश्य मारवाड़ की समृद्ध संस्कृति, लोककला, पारंपरिक परिधान, खानपान एवं जीवनशैली को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना है। आज मारवाड़ी भवन में आयोजित कार्यक्रम में महोत्सव का पोस्टर विमोचन झारखंड के उप महापौर श्री संजीव विजयवर्गीय के करकमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर समिति के प्रमुख

पदाधिकारी ओम प्रकाश अग्रवाल,सुरेश चंद्र अग्रवाल,पवन शर्मा, विनोद जैन,राजेंद्र केडिया,अनिल अग्रवाल, कौशल राजगढ़िया, कमलेश संचेती, प्रमोद बगड़िया, विजय खोवाल, रवि शर्मा, अंजय सरावगी, मनोज चौधरी, किशन साबू ,विजय खोवाल, कमल शर्मा, अजय बजाज, बिमल दस्सानी, पीयूष मोर ,संजय सर्राफ, प्रदीप बाकलीवाल, जितेंद्र छाबड़ा, नारायण विजयवर्गीय, अनिल अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, मुख्य संयोजक अरुण भरतीया, निखिल मोदी सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। तीन दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक, पारंपरिक एवं मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिनमें प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं राजस्थानी लोकगीत एवं लोकनृत्य (घूमर, कालबेलिया आदि), मारवाड़ी फैशन शो मेहंदी रचनी प्रतियोगिता पगड़ी प्रतियोगिता एवं डांस एवं भाषण प्रतियोगिता (बाल एवं युवा वर्ग),लोकगीत एवं समूह गायन ,पारंपरिक खेल,शाही जीवनशैली पर आधारित विशेष प्रस्तुति हस्तशिल्प मेला एवं फूड फेस्टिवल,हस्तशिल्प मेले में राजस्थानी ज्वेलरी, बंधेज-लहरिया परिधान,लकड़ी की कलाकृतियाँ सहित कई पारंपरिक वस्तुएँ प्रदर्शित की जाएंगी। वहीं फूड स्टॉल में दाल-बाटी-चूरमा, बाजरे की रोटी, घेवर एवं मिरची बड़ा जैसे व्यंजनों का स्वाद लोग ले सकेंगे। चोखी धानी मारवाड़ महोत्सव का मुख्य आकर्षण होगा ।

सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल उप महापौर संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को उसकी जड़ों से जोड़ते हैं और नई पीढ़ी में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाते हैं।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कलाओं के संरक्षण के साथ सामाजिक एकता को मजबूत बनाना है। समापन समारोह 18 जनवरी को शाम को भव्य समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा तथा मारवाड़ी संस्कृति पर आधारित विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक लोगों से महोत्सव में उपस्थित होकर संस्कृति के इस उत्सव को सफल बनाने की अपील की है। मंच संचालन विनीता सिंघानिया ने किया । मारवाड़ महोत्सव में आने वाले लोगों की प्रवेश शुल्क 50/- रुपए रखी गई है ।

हिंदी विश्व भर में मजबूत उपस्थिति दर्ज करती चली जा रही है

विजय केसरी
कथाकार / स्तंभकार

विश्व हिंदी दिवस पर जब हिंदी भाषा पर पर लिख रहा हूं, तब स्वामी विवेकानंद का स्मरण करना जरूरी हो जाता है। स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म सभा में उपस्थित सभी विचारकों को भारत के सभी हिंदुओं की ओर से धन्यवाद दिया था। स्वामी विवेकानंद एक बांग्ला भाषी संत थे। जिनका लालन पालन बंगाली विधि से हुआ था। लेकिन उन्होंने बांग्ला भाषा के अलावा हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषा पर पांडित्य पूर्ण ज्ञान अर्जित किया था।

आज हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट भाषा की पहचान बनाने में सफल हुई है। वैश्विक स्तर पर हिंदी के कदम धीरे-धीरे बढ़ते चले जा रहे हैं। यह हिंदी के लिए गर्व की बात है। साथ ही हिंदी भारत की पहली बोलचाल की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है । विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है। यह हिंदी के बढ़ते कदम की निशानी है। हिंदी भाषा भारत से निकलकर विश्व समुदाय के बीच में भी लोकप्रिय हो रही है, इसके पीछे सबसे बड़ा कारक है, हिंदी भाषा की सहजता, सरलता, मिठास और सहज व्याकरण है । हिंदी भाषा अनुरागियों, साहित्यकारों व रचनाकारों ने वैश्विक स्तर पर हिंदी के लिए अथक प्रचार प्रसार किया है।। उन सबों का यह प्रयास आज भी जारी है । देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी में भाषण देकर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती के साथ स्थापित करने का एक सफल प्रयास किया था। आज भारत से प्रकाशित कई पत्र पत्रिकाएं विदेशों में बड़े ही चाव से पढ़े जा रहे हैं। आज कई विदेशी लेखक हिंदी मैं लिखकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर रहे हैं। हिंदी भाषा को यह सम्मान हिंदी वासियों ने दिलाया है।

देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजराती भाषी होने के बावजूद राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में ही अपनी बातों को रखते हैं। यह हिंदी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने भी यह माना कि हिंदी ही भारत की सबसे बोली जाने वाली भाषा है। विश्व हिंदी दिवस पर हिंदी अनुरागियों की यह संकल्प लेना चाहिए कि हिंदी विश्व की एक प्रमुख भाषा के रूप में आगे बढ़ते रहे । देश की आजादी के बाद इस निमित्त हिंदी भाषा अनुरागियों ने बहुत ही सार्थक प्रयास किया है । फलस्वरुप हिंदी विश्व की एक मजबूत भाषा के रूप में स्थापित हो पाई है। हिंदी विश्व भर में लगभग दो सौ से अधिक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है । हिंदी पर नियमित शोध कार्य हो रहे हैं। हिंदी भारत के साथ विश्व की प्रतिष्ठित भाषा के रूप में जानी जा रही है। भाषा है।

विश्व हिंदी दिवस पर जब हिंदी भाषा पर पर लिख रहा हूं, तब स्वामी विवेकानंद का स्मरण करना जरूरी हो जाता है। स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म सभा में उपस्थित सभी विचारकों को भारत के सभी हिंदुओं की ओर से धन्यवाद दिया था। स्वामी विवेकानंद एक बांग्ला भाषी संत थे। जिनका लालन पालन बंगाली विधि से हुआ था। लेकिन उन्होंने बांग्ला भाषा के अलावा हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषा पर पांडित्य पूर्ण ज्ञान अर्जित किया था। वे धाराप्रवाह

हिंदी, अंग्रेजी, बंग्ला और संस्कृत बोलते थे। उन्हें एक भारतीय होने पर गर्व था। वे इस बात को लेकर अपने आप को भाग्यशाली मानते थे कि मेरा जन्म भारत जैसे गौरवशाली देश में हुआ। हिंदी के प्रति उनकी धारणा बहुत ही सराहनीय थी। वे जितना बांग्ला भाषा से प्रेम करते थे, उतना ही हिंदी और संस्कृत से भी प्रेम करते थे। विश्व की सबसे अधिक किसी एक महापुरुष की रचनावाली बिक्री के शीर्ष पर स्वामी विवेकानंद की रचनावली है। यह रचनावली हिंदी सहित विश्व की कई प्रमुख भाषाओं मैं अनुवादित है। इस रचनाबली की हिंदी की लाखों प्रतियां बिकती है। हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने में स्वामी जी की रचनावली के अवधान को विस्मृत नहीं किया जा सकता है।

हिंदी के संदर्भ में कहा जाता है कि हिंदी की विकास यात्रा में कई वर्ष लगे थे । तब हिंदी एक भाषा के रूप में आकार ग्रहण कर पाई थी । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलवाने में महती भूमिका अदा की थी। हिंदी को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर पहचान दिलाने में स्वाधीनता सेनानी स्वर्गीय खत्री जी के सहयोग को विस्मृत नहीं किया जा सकता है।

हिंदी एक मीठी भाषा है। हिंदी प्रेम की भाषा है । हिंदी लेखकों और कवियों की भाषा है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी में निरंतर काम हो रहे हैं। खड़ी हिंदी के जनक भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिंदी में रचनाकर हिंदी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया था । आज भी उनकी कहानियां और उपन्यास बहुत ही चाव के साथ पढ़े जाते हैं। भक्ति काल के संत कवि कबीर, सूरदास, रहीम, नरहरी, रैदास, तुलसीदास के दोहे आज भी हिंदी भाषियों को प्रेरित करते नजर आते रहे हैं। इनकी रचनाओं का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद यह साबित करता है कि हिंदी की रचनाएं कितनी प्रभावशाली हैं।

हिंदी प्यारी व मीठी भाषा है। जिसने भी हिंदी का पान किया। समझो! वह हिंदी का हो गया । फादर कामिल बुल्के पश्चिम से ईसाई मिशनरी के लिए एक शिक्षक के तौर पर भारत की आए थे । जब वे भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली हिंदी भाषा का पान किया, सदा सदा के लिए हिंदी का हो गए । जब उन्होंने हिंदी का अध्ययन प्रारंभ किया, तब उन्हें हिंदी की व्यापकता का अहसास हुआ । उन्होंने हिंदी में बीए ऑनर्स, एमए और पीएचडी भी किया। हिंदी अध्ययन के दौरान उन्हें तुलसीकृत रामचरितमानस से सामना हुआ। उन्होंने रामचरितमानस का गहराई से अध्ययन किया । वे रामचरितमानस के अध्ययन में ऐसा लीन हो गए, जैसे उन्हें भगवान राम का साक्षात्कार हो गया हो। रामचरितमानस से प्रेरित होकर उन्होंने भगवान राम के संबंध में विशेष जानकारी के लिए संपूर्ण देश की यात्रा की । देश के विभिन्न प्रांतों में भगवान राम पर वर्णित विभिन्न भाषाओं के रामायण का अध्ययन किया । तब उन्होंने एक वृहद रामायण की रचना की । उनकी यह कृति कालजई कृति बन गई । हिंदी प्रेम ने उनसे हिंदी का शब्दकोश तक लिखवा दिया। भारत में उनका संपूर्ण जीवन हिंदी शिक्षा ग्रहण और लेखन में बीता था। अर्थात उन्होंने भारत आकर अपना संपूर्ण जीवन हिंदी को ही समर्पित कर दिया था । यह हिंदी की विशालता, सार्वभौम और व्यापकता का परिचायक है ।

हिंदी लगातार विश्व भर में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करती चली जा रही है। आज हिंदी एक बहुत ही मजबूत स्थिति में है। हिंदी भाषा की इन बुलंदियों के बावजूद अपने ही देश में कई लोग हिंदी को कम ज्ञान वालों की भाषा कहते हैं । दूसरी ओर अंग्रेजी को अधिक ज्ञान वालों की भाषा कहते हैं। देश की आजादी के बाद हिंदी जिस तरह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। हिंदी को कम ज्ञान वालों की भाषा कहने वालों का भ्रम टूट गया है। आज हिंदी में विज्ञान, तकनीकी, कानून, चिकित्सा से संबंधित हर तरह की पुस्तकें उपलब्ध हैं। जब देश परतंत्र था। हिंदी का विकास रुका हुआ था। देश की आजादी के बाद हिंदी लगातार बढ़ती चली जा रही है। हिंदी की खासियत यह है कि हिंदी अपनी प्रांतीय भाषाई बहनों को भी आगे बढ़ाती चली जा रही है । इसी का प्रतिफल है कि हिंदी को देश के सभी प्रांतों फैलने का अवसर मिलता चला जा रहा है। हिंदी के विषय में एक यह भ्रम भी फैलाई जा रही है कि हिंदी सिर्फ हिंदी भाषियों की ही भाषा है। यह पूरी तरह झूठ है । आज हिंदी संपूर्ण विश्व की एक लोकप्रिय भाषा बनने की ओर कदम बढ़ा चुकी है । हिंदी पर संपूर्ण देशवासियों सहित विश्व के हिंदी प्रेमियों को गर्व है। विश्व हिंदी दिवस पर हम सब इतना जरूर कर सकते हैं कि देश अथवा विदेशों में रह रहे अपने किसी एक मित्र को हिंदी में जरूर संवाद भेजें । आपका यह संवाद हिंदी के प्रचार प्रसार में मील का पत्थर साबित होगा।

हिंदी अतीत की है धरोहर, वर्तमान की जरूरत और भविष्य की संभावना

संजय सर्राफ

विश्व हिंदी दिवस प्रतिवर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस हिंदी भाषा के वैश्विक विस्तार,उसके साहित्यिक - सांस्कृतिक वैभव और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी बढ़ती भूमिका को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। हिंदी न केवल भारत की प्रमुख भाषा है, बल्कि विश्व के अनेक देशों में बोली, समझी और पढ़ी जाने वाली जीवंत भाषा भी है।विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा की पृष्ठभूमि वर्ष 1975 में नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन से जुड़ी है। इसी ऐतिहासिक सम्मेलन की स्मृति में 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहन देना, विभिन्न देशों में बसे हिंदी भाषियों को जोड़ना और हिंदी को ज्ञान, विज्ञान, व्यापार तथा कूटनीति की भाषा के रूप में स्थापित करना है। वैसे तो हिंदी मूल रूप से भारतीय भाषा है लेकिन अब विश्व मंच पर हिंदी सशक्त भाषा के रूप में स्थापित है विश्व हिंदी दिवस 2026 भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हमें याद दिलाएगा कि हिंदी अब सीमाओं में नहीं बंधी, वह महाद्वीपों में गूंज रही है जब कोई विदेशी हिंदी में नमस्ते कहता

है तो वह सिर्फ शब्द नहीं बोलता, वह हमारी सभ्यता को स्वीकार करता है कह सकते हैं हिंदी अतीत का धरोहर है, वर्तमान की जरूरत है और भविष्य की संभावना। भारत सरकार द्वारा विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से इस दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।आज हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। भारत के अतिरिक्त मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका सहित अनेक देशों में हिंदी का प्रयोग होता है।

प्रवासी भारतीयों के माध्यम से हिंदी ने विदेशों में अपनी सशक्त पहचान बनाई है। विश्वविद्यालयों में हिंदी अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिंदी सत्र और डिजिटल माध्यमों पर हिंदी सामग्री की बढ़ती उपलब्धता इस बात का प्रमाण है कि हिंदी वैश्विक संवाद की प्रभावी भाषा बन रही है।विश्व हिंदी दिवस की महत्ता केवल भाषा-प्रचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, मूल्यों और विचारधारा को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने का माध्यम भी है। हिंदी साहित्य-कविता, कहानी, उपन्यास और नाटक-मानवीय संवेदनाओं की गहन अभिव्यक्ति करता है। यह दिवस नई पीढ़ी को हिंदी से जोड़ने, शुद्ध और सशक्त भाषा प्रयोग के लिए प्रेरित करने तथा तकनीक के साथ हिंदी के समन्वय को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है।विश्व हिंदी दिवस की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह हिंदी को आधुनिकता और तकनीक से जोड़ता है।

आज हिंदी में ई-शासन, मीडिया, सिनेमा, सोशल मीडिया और स्टार्टअप जगत में व्यापक संभावनाएँ हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अनुवाद तकनीक और डिजिटल प्रकाशन ने हिंदी के विस्तार को नई गति दी है। यह दिवस भाषा की एकता, विविधता और समावेशिता का संदेश देता है।विश्व हिंदी दिवस हिंदी के गौरव, उसकी वैश्विक स्वीकार्यता और भविष्य की संभावनाओं का उत्सव है। यह हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व करने, उसे समृद्ध बनाने और विश्व संवाद की सशक्त कड़ी के रूप में आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि संस्कृति, संवेदना और संवाद की जीवंत धरोहर है-जिसे संजोना और आगे बढ़ाना हम सबका साझा दायित्व है।

झारखंड

वकील की पत्नी का बाथरूम में जला शव बरामद, पति ने बताया आत्महत्या

GANDIV REPORTER

दुमका। दुमका कोर्ट के एक सीनियर अधिवक्ता संजीव कुमार गोराई की 53 वर्षीय पत्नी नमिता गोराई का बाथरूम से जला शव बरामद किया गया है। इस मामले में महिला के पति का कहना है कि बीमारी से परेशान होकर उसने खुदकुशी कर ली। पुलिस मामले के अनुसंधान में जुट गई है। दरअसल अधिवक्ता संजीव कुमार का मकान दुधानी-रसिकपुर बाईपास रोड पर स्थित बगनोचा मोहल्ले में है। गुरुवार की दोपहर लगभग तीन बजे वह कोर्ट में थे। घर में अधिवक्ता की बूढ़ी मां और उनकी पत्नी

नमिता गोराई थी। साथ में एक छोटा भाई भी रहता था, पर वह किसी काम के सिलसिले से बाजार गया था। घटना के संबंध में वकील का कहना है कि घर से निकलने से पहले पत्नी ने नाश्ता बनाकर उन्हें दिया था। दोपहर में जब छोटा भाई घर आया तो पता चला कि भाभी बाथरूम गई हुई हैं और काफी देर हो जाने के बाद भी नहीं निकली हैं तो उसको संदेह हुआ। बाहर जलने की बदबू भी आ रही थी। संजीव के छोटे भाई ने बताया कि जब बाथरूम का दरवाजा तोड़ा तो देखा कि भाभी पूरी तरह से जली हुई हैं। उनकी मौत भी हो चुकी है। यह देख उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुट गए।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

संजीव गोरा ने बताया कि उनकी पत्नी को स्किन की समस्या थी, उन्होंने अपनी पत्नी नमिता का इलाज दुमका और आसनसोल से करवाया था पर वह ठीक नहीं हो पाई थी। वह अपनी पत्नी का इलाज दिल्ली के एम्स से भी करवा रहे थे। मगर इसी बीच उनकी पत्नी ने जान दे दी। सूचना मिलने पर नगर थाना प्रभारी जगनाथ धान अधिवक्ता के घर पहुंचे और जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका पीजेएमसीएच भेज दिया। रात होने की वजह से शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।

लापरवाही से खोया सरकारी हथियार, तलाश के बाद बरामद

GANDIV REPORTER

पलामू। मेदिनीनगर के टीओपी-2 थाना क्षेत्र में तैनात एक सिपाही की लापरवाही के कारण सरकारी हथियार खोने का मामला सामने आया है। हालांकि समय रहते की खोजबीन करने के बाद हथियार बरामद कर लिया गया। लेकिन इस घटना ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, शराब के नशे में धुत होने के कारण सिपाही बैजनाथ यादव अपनी सरकारी हथियार की सुरक्षा नहीं कर सका और वह खो गया। हथियार खो जाने की खबर से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरीय अधिकारियों को सूचना देने के बाद थाना परिसर और आसपास के इलाकों में हथियार की व्यापक तलाश शुरू की गई। काफी प्रयासों के बाद हथियार बरामद कर लिया गया, जिससे पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली।

हथियार मिलने से स्थिति नियंत्रण में आ गई, लेकिन इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि पुलिस अभिरक्षा में रहते हुए हथियार कैसे खो गया। प्रारंभिक तौर पर मामला सिपाही की लापरवाही और नशे में होने से जुड़ा बताया जा रहा है।पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी गई है।

मवेशी चोरी के आरोप में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या

GANDIV REPORTER

गोड्डा। जिले के पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र के मटिहानी गांव में लोगों ने मवेशी चोरी के आरोप में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान पथरगामा थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव निवासी 40 वर्षीय पप्पू अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक का शव खेत से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। बीते दिन स्थानीय चौकीदार ने थाना प्रभारी को घटना की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, ग्रामीणों ने आरोपी पप्पू अंसारी को मवेशी चोरी करते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया, जिसके बाद लोगों ने कथित रूप से उसकी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो जांच के दौरान घटनास्थल से मृतक के चप्पल, खून से लथपथ डंडा, जला हुआ मोबाइल फोन बरामद किया। पुलिस पदाधिकारी का कहना है कि मृतक का आपराधिक इतिहास रहा है। पथरगामा और मुफस्सिल थाना में उसके खिलाफ मवेशी चोरी सहित चोरी के कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल, पुलिस हमलावरों की पहचान में जुटी हुई है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने का दावा कर रही है।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, भू-अर्जन व रिंग रोड घोटाला मामले में 17 लोग हिरासत में

GANDIV REPORTER

धनबाद। एसीबी ने भू-अर्जन और रिंग रोड घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की टीमों ने धनबाद समेत अन्य जिलों में एक साथ छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार, एसीबी ने 17 लोगों को हिरासत में लिया है।

रात भर चली इस छापेमारी में एसीबी की 10 टीमें लगी रहीं। धनबाद के अलावा रांची, दुमका, गिरिडीह और देवघर में छापेमारी चली। छापेमारी के दौरान पुलिसबल ने भी मदद की। एसीबी की इस कार्रवाई में तत्कालीन बर्खास्त जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी (डीएलओ) उदयकांत पाठक, तत्कालीन अंचल अधिकारी विशाल कुमार, तत्कालीन सर्किल इंस्पेक्टर नीलम सिन्हा, कुमारी रत्नाकर समेत अन्य अधिकारी और कर्मी की गिरफ्तारी की सूचना है।

समाजसेवी रमेश रही की शिकायत पर 2016 में मामला दर्ज हुआ था। उस समय भू-अर्जन घोटाले में कुल 34 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सरकारी भूमि अधिग्रहण के दौरान नियमों की अनदेखी करते हुए भूमि से संबंधित

अभिलेखों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बरतने का आरोप था।

मिली जानकारी के अनुसार, रिंग रोड घोटाले से भी इसके तार जुड़े हुए हैं। इस मामले में वर्ष 2015 में भी समाजसेवी रमेश रही ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ी। वहीं समाजसेवी रमेश रही ने कहा कि उन्होंने साल 2013 में मामले को उठाया था। साल 2016 में मामला दर्ज किया गया था। रिंग रोड का निर्माण जनता की सुविधाओं के लिए किया गया था, लेकिन उसके लिए जिन जमीनों का अधिग्रहण हुआ, उनके बदले दी जाने वाली मुआवजा राशि में बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया। भू-अर्जन अधिकारी, भू-अर्जन कार्यालय एवं अंचल कार्यालय से जुड़े अधिकारियों ने मिलीभगत के माध्यम मुआवजा राशि में घोटाला किया। 100 से 150 करोड़ रुपये से अधिक का यह घोटाला है। शिकायतकर्ता रमेश रही ने इस कार्रवाई के लिए एसीबी को धन्यवाद दिया है। साथ ही उन्होंने घोटाले में शामिल सभी आरोपियों की संपत्ति जब्त करने की मांग की है।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

बेदाग और चमकदार त्वचा पाने के लिए, शरीर में ग्लूटाथियोन को प्राकृतिक रूप से कैसे बढ़ाएं

अगर आप भी अपनी त्वचा को बेदाग और चमकदार बनाना चाहते हैं? तो आपको अपनी स्किन केयर रूटीन में मैजिकल एलिमेंट ग्लूटाथियोन को शामिल करना होगा। ग्लूटाथियोन, जिसे अक्सर मास्टर एंटीऑक्सीडेंट कहा जाता है, न सिर्फ आपकी त्वचा को निखारता है, बल्कि उसे अंदर से हेल्दी और चमकदार भी बनाता है। लेकिन अब सवाल यह उठता है कि आप इस मैजिकल एलिमेंट के लेवल को अपने शरीर में कैसे बढ़ा सकते हैं? तो चिंता न करें, इसे बढ़ाने के लिए आपको महंगी क्रीम या इंजेक्शन की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप कुछ आसान और प्राकृतिक तरीकों से भी अपने शरीर में ग्लूटाथियोन का स्तर बढ़ा सकते हैं। जानें कैसे।

इस तरह प्राकृतिक रूप से अपने ग्लूटाथियोन के स्तर को बढ़ाएं

विटामिन सी: ग्लूटाथियोन के स्तर को बढ़ाने में विटामिन सी सबसे बड़ी भूमिका निभाता है। यह न केवल शरीर में ग्लूटाथियोन के उत्पादन को बढ़ाता है, बल्कि उसे सक्रिय रखने में भी मदद करता है। इसके लिए आपको संतरे, नींबू, शिमला मिर्च और स्ट्रॉबेरी जैसे फल और सब्जियां खानी चाहिए।

सल्फर युक्त खाद्य पदार्थ जरूरी हैं: ग्लूटाथियोन के उत्पादन के लिए सल्फर एक बहुत ही जरूरी तत्व है। प्याज, लहसुन, ब्रोकली, फूलगोभी और अंडे जैसी चीजों में सल्फर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इन चीजों को अपने रोजाना के आहार में जरूर शामिल करें।

हल्दी और दूध: हल्दी सिर्फ एक मसाला ही नहीं, औषधीय गुणों से भी भरपूर है। इसमें मौजूद करक्यूमिन प्राकृतिक रूप से ग्लूटाथियोन के स्तर को बढ़ाता है। आप रोजाना रात में हल्दी वाला दूध पीकर इसके बेहतरीन फायदे पा सकते हैं।

नियमित व्यायाम भी है जरूरी: व्यायाम न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह ग्लूटाथियोन के स्तर को भी बढ़ाता है। योग, जॉगिंग या साइकिलिंग जैसे रोजाना 30 मिनट का व्यायाम आपके शरीर की एंटीऑक्सीडेंट रक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

अच्छी नींद: स्वस्थ शरीर और त्वचा के लिए अच्छी नींद जरूरी है। गहरी नींद शरीर की मरम्मत में मदद करती है और ग्लूटाथियोन का उत्पादन तेज होता है।कम से कम 7-8 घंटे की नींद जरूरी है।

धूप से बचें: तेज धूप और पराबैंगनी किरणें ग्लूटाथियोन के स्तर को कम कर सकती हैं। जब भी बाहर जाएं, सनस्क्रीन (रढऋ30+) का इस्तेमाल करें और धूप से बचें।

इन आसान टिप्स का पालन करके, आप बिना किसी नेगेटिव इफेक्ट के अपने शरीर में ग्लूटाथियोन के स्तर को बढ़ा सकते हैं और चमकदार, बेदाग त्वचा पा सकते हैं जिसका हर कोई सपना देखता है।

कड़ी मेहनत के बाद कम नहीं हो रहा वजन तो ब्रेकफास्ट के पहले तीन आदतों अपनायें

भागदौड़ भरी सुबह और फिर टेक्नोलॉजी से भरी रात ने लोगों के जीवन को अस्त-व्यस्त कर रखा है। कुछ लोग सुबह-सुबह खाली पेट बेड टी लेकर दिन की शुरूआत करते हैं, तो वहीं कुछ लोगों के पास सुबह बेड टी का भी समय नहीं होता है। वे किसी तरह हड़बड़ी में ब्रेकफास्ट करते हैं और काम पर निकल पड़ते हैं। जबकि सभी जानते हैं कि ये कितना गलत है। इससे सीधे तौर पर ढेर सारी बीमारियों को न्योता मिलता है, जिसमें से मुख्य है मोटापा।

मोटापा से निपटने के लिए लोग दिनभर कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन सुबह की कुछ आदतें आपको वजन कम करने से रोकती हैं। अच्छी सेहत के लिए हेल्दी मॉर्निंग रिचुअल का होना जरूरी है। ये छोटी आदतें सेहत में बड़े बदलाव ला सकती हैं। इसलिए वेट लॉस के लिए ब्रेकफास्ट के पहले इन 3 प्रभावी आदतों को जरूर अपनाएं।

वर्कआउट करें

सुबह की एक्सरसाइज दिन भर में किए गए किसी भी वर्कआउट से कई गुना बेहतर है। दिन की शुरूआत एक हल्के फुल्के जॉग , मेडिटेशन, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, साइकलिंग करें, रस्सी कूदें या फिर स्ट्रेचिंग करें। लक्ष्य ये होना चाहिए कि किसी भी रूप में वर्कआउट जरूर करें। ये शरीर का मेटाबोलिज्म बूस्ट करता है, ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रखता है और वेट लॉस में मदद करता है। सुबह खाली पेट एक्सरसाइज करते समय शरीर के पास बिना खाने के एनर्जी नहीं होती है। एक्सरसाइज करने के लिए एनर्जी की जरूरत होती है, जिसकी आपूर्ति शरीर में जमे फैट से एनर्जी ले कर पूरी होती है। इस तरह ये वेट लॉस में मदद करता है

पानी पिएं

सुबह उठ कर पानी पीने से वेट लॉस में मदद मिलती है। ये वेट लॉस का सबसे सरल तरीका है। एक स्टडी के अनुसार सुबह पानी पीने से मेटाबॉलिक रेट औसतन 30% तक बढ़ता है। कुछ लोगों को पानी पीने के बाद कम भूख लगती है, जिससे वेट लॉस में मदद मिलती है। साथ ही पानी में अगर नींबू डाल कर पिया जाए तो ये शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालने में भी सहायक होता है।

वजन तौलें

ऐसे तो लोग महीने में एक दिन वजन तौलने की सलाह देते हैं, क्योंकि कुछ लोगों के लिए ये एक मेंटल प्रेशर बन जाता है। लेकिन अगर आप स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं, तो आप सुबह उठ कर एक बार वजन जरूर तौलें। इससे ये एक आदत बनती जाएगी, जिससे आप प्रतिदिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहते हुए दिन की शुरूआत ही एक ऐसे कदम से करेंगे, जिससे दिन भर ये आपके सब कॉन्शियस माइंड पर छप जाए। ऐसे में दिन भर आप में कोई ऐसा काम जो वेट गेन करे, उसे करने से पहले एक बार जरूर सोचेंगे।

स्वाद से भरपूर-पालक लबाबदार

अक्सर पालक को देखकर घर के कई सदस्य मुंह बनाने लगते हैं। इसका स्वाद उन्हें भाता नहीं है, जबकि यह सब्जी न्यूट्रिशन से भरपूर होती है। ऐसी परेशानी को देखते हुए हाल ही में एक्ट्रेस भाग्यश्री ने अपनी रसोई से पालक की एक ऐसी रेसिपी शेयर की है, जिसे बनाना भी आसान है और ये स्वाद में भी कमाल की है। भाग्यश्री ने इंस्टाग्राम पर पालक लबाबदार की रेसिपी शेयर करते हुए बताया कि न्यूट्रिशन से भरपूर इस सब्जी में आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी6 भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

फाइबर से भरपूर होने से यह इंसुलिन लेवल को भी मेंटेन रख सकता है। साथ-साथ बच्चे भी इसे मांग कर खाते हैं। तो चलिए जानते हैं भाग्यश्री की पसंदीदा पालक रेसिपी पालक लबाबदार आप अपने रसोई में किस तरह बना सकते हैं।

बनाने का विधि

सबसे पहले पैन में दो चम्मच सरसों का तेल डालें। तेल गर्म हो जाए तो इसमें चुटकी भर हींग और एक चम्मच जीरा डालें। अब इसमें दो से तीन कश्मीरी लाल मिर्च डालें।

इसके बाद इसमें 2 से 3 चम्मच समूचा धनिया का बीज, थोड़ा सा मूंगफली डाल दें। अब इसमें आधा कप भीगी चने की दाल डाल दें। इसे अच्छी तरह भून लें। अब मिक्सी में डालकर इसे अच्छा पेस्ट बना लें।

अब उसी पैन में दो चम्मच घी डालें और गर्म होने पर जीरा डाल लें। दो से तीन चम्मच कटा हुआ लहसुन, बारीक कटी हरी मिर्च, आधा कप बारीक कटा प्याज डालकर हल्का पका लें। सी लाल मिर्च और पानी डालकर ढक दें। अब इसे 8 से 10 मिनट के लिए पकाइये और आपकी सब्जी तैयार है।

सामग्री-

दो चम्मच सरसों का तेल
दो चम्मच घी
चुटकीभर हींग
एक चम्मच जीरा
दो से तीन कश्मीरी मिर्च
दो से तीन चम्मच समूचा धनिया का बीज
आधा कप भींगी चने की दाल
दो से तीन कटा लहसुन
दो चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च
आधा कप बारीक कटा प्याज
4 कटोरी कटा हुआ पालक
एक कटोरी धनिया की पत्तियां

घर के हर कोने से हमेशा के लिए भाग जाएंगे कॉकरोच, बस हर रोज रात में कर लें यह एक काम

रसोई का सिंक कीड़ों (कॉकरोच, चींटियां, मक्खियां) के लिए हमारे घरों में प्रवेश का प्रवेश द्वार होता है। इसलिए, सिंक को साफ रखना परिवार के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। रोजाना इस्तेमाल होने वाले सिंक में खाने के कण, ग्रीस के दाग और कचरा जमा हो सकता है। इससे नमी वाला वातावरण बनता है जो कीटाणुओं के पनपने के लिए आदर्श होता है। जब सिंक गंदा और नम होता है, तो ये बैक्टीरिया और हानिकारक कीटाणु तेजी से बढ़ते हैं, और घर में कॉकरोच की संख्या भी बढ़ जाती है। रसोई के सिंक में पनपे के बाद ये बैक्टीरिया धीरे-धीरे बर्तनों, फलों और सब्जियों के जरिए हमारे शरीर के अंदर पहुंच जाते हैं। जिससे फूड पॉइजनिंग, पेट दर्द, दस्त और इंफेक्श की समस्याएं होने लगती है। इन बैक्टीरिया और हानिकारक कीटाणु के साथ साथ कॉकरोच आपकी सेहत के लिए भी खतरनाक होते हैं। कॉकरोच के कारण पेट संबंधी बीमारियां होती ही हैं, इनमें फूड पॉइजनिंग, टाइफाइड एलर्जी और रेशेज हो सकते हैं। ऐसे में आज इस खबर में पढ़े कि रात के समय में क्या उपाय करके सोने से इन समस्याओं और कॉकरोच से छुटकारा पा सकते है।

कॉकरोच से छुटकारा पाने के लिए क्या करें

- सिंक को हर दिन साबुन या डिशवाशिंग डिटर्जेंट से साफ करना और उसके बाद गर्म पानी से धोना महत्वपूर्ण है।
- खाने के कचरे को सीधे सिंक में न फेंकें, उसे सीधे कूड़ेदान में डालें। सिंक को प्लास्टिक कचरे और खाने के कणों से मुक्त रखें।
- बेकिंग सोडा और सिरके से सिंक को हफ्ते में एक बार साफ करें। इससे बदबू और नाली के पाइप में कोई भी रुकावट दूर हो जाएगी।
- प्रत्येक उपयोग के बाद सिंक को कपड़े से सुखाने से बैक्टीरिया का विकास रुक जाता है।
- सबसे पहले अपने किचन के सिंक को अच्छी तरह साफ करें और सूखे कपड़े से पोंछ लें। सिंक में पानी की एक भी बूंद नहीं रहनी चाहिए।
- इसके बाद थोड़ा डेटॉल लें और उसे सिंक के छेद में डालें।
- अंत में, एक अखबार को मोड़ें और उसे नाली के छेद में मजबूती से दबा दें।
- इससे रात में कीड़े-मकोड़े बाहर नहीं आएंगे। सुबह उठकर अगर आप पुराने कागज हटाकर उसे फिर से साफ कर देंगे, तो किचन साफ और कीड़ों से सुरक्षित रहेगा।

कश्मीर घाटी में गणतंत्र दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर, संयुक्त तलाशी अभियान जारी

भीषण ठंड से कांपा उत्तर भारत, कोहरे ने बढ़ाई मुसीबत, कई राज्यों में शीतलहर का अलर्ट

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। देशभर में कड़ाके की ठंड और कोहरे का प्रकोप जारी है। उत्तर-पश्चिम भारत में घना कोहरा छाया रहेगा, जबकि कई राज्यों में शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी, वहीं दूसरी ओर दक्षिण भारत में भारी बारिश का अलर्ट है। हिमालयी राज्यों में हो रही बर्फबारी ने लोगों की दिक्कतें बढ़ा रखी हैं। दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह हुई बारिश ने तापमान गिरा दिया है, जिससे ठंड बढ़ गई है। दिल्ली समेत कई इलाकों में तापमान गिरा है। कोहरे के कारण तेजस राजधानी और दुरंतो समेत एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें 5 से 16 घंटे लेट चल रही हैं। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को इस मौसम का तीसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सभी निगरानी केंद्रों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहा।

खबरों के अनुसार, मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। देशभर में कड़ाके की ठंड और कोहरे का प्रकोप जारी है। उत्तर-पश्चिम भारत में घना कोहरा छाया रहेगा, जबकि कई राज्यों में शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी, वहीं दूसरी ओर दक्षिण भारत में भारी बारिश का अलर्ट है। हिमालयी राज्यों में हो रही बर्फबारी ने लोगों की दिक्कतें बढ़ा रखी हैं। राजधानी दिल्ली में भीषण ठंड का प्रकोप जारी है।

गुरुवार को इस मौसम का तीसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सभी निगरानी केंद्रों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहा। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। बिहार के दक्षिण, उत्तर-पूर्वी और उत्तर-मध्य भागों में शीत दिवस की स्थिति बनी रहेगी। पटना जिले में ठंड के कारण जिले के सभी निजी, सरकारी विद्यालयों (प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्रों सहित) में 8वीं कक्षा तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर 11 जनवरी तक प्रतिबंध लगा दिया है।

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर सहित कई स्थानों पर मौसम की सबसे ठंडी रात महसूस की गई।

हाड़ कंपा देने वाली सर्दी की वजह से यहां की प्रसिद्ध डल झील समेत कई जलस्रोतों के किनारे पानी जम गया। उत्तर प्रदेश में इन दिनों शीतलहर के कारण लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने आज भी राज्य में शीत दिवस रहने की संभावना जताई है।

स्काईमेट वेदर के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान, 9 से 11 जनवरी के बीच तमिलनाडु के कुछ इलाकों में गरज-चमक और बिजली के साथ भारी बारिश हो सकती है। 10 जनवरी को तमिलनाडु में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है। वहीं 10 जनवरी को केरल में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। अगले 2 से 3 दिनों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। सुबह के समय पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में घने से बहुत घने कोहरे की संभावना बनी हुई है। वहीं आज उत्तराखंड, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में कोल्ड डे की संभावना है। आज उत्तराखंड, मेघालय और राजस्थान के कुछ इलाकों में पाले (ग्राउंड फ्रॉस्ट) की स्थिति भी बन सकती है। स्काईमेट वेदर के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की गई, जबकि देश के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहा। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। असम और मेघालय के कुछ स्थानों पर भी घना कोहरा दर्ज किया गया।

बिहार के कई हिस्सों में मध्यम कोहरा, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में भी मध्यम कोहरा देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों और उत्तर राजस्थान के कुछ स्थानों पर कोल्ड डे की स्थिति बनी रही। विदर्भ, तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में शीतलहर (कोल्ड वेव) का असर रहा। राजस्थान के कुछ इलाकों में पाला (ग्राउंड फ्रॉस्ट) भी दर्ज किया गया।

जयराम रमेश का पीएम मोदी पर तंज

यूएस ट्रेड डील पर पूछा- क्या से क्या हो गया बेवफा..

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक के उन बयानों को साझा किया, जिनमें उन्होंने आरोप लगाया था कि नेतृत्व स्तर पर सीधे संवाद की कमी के कारण भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से चूक गया। उन्होंने लटनिक के पॉडकास्ट क्लिप के साथ एक व्यंग्यात्मक हिंदी श्लोक साझा करके केंद्र की विदेश नीति पर कटाक्ष किया, जिससे भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव का संकेत मिलता है।

एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने लिखा कि हग हग ना रहा, पोस्ट पोस्ट ना रहा, क्या से क्या हो गया बेवफा तेरे दोस्ती में। उनकी यह टिप्पणी लटनिक के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता इसलिए रुक गया क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया था। गुरुवार (स्थानीय समय) को ऑल-इन पॉडकास्ट के तहत अमेरिकी वेंचर कैपिटलिस्ट चमाथ पालिहापितिया के साथ बातचीत में लटनिक ने कहा कि अनुबंधों पर बातचीत हो चुकी थी और पूरे सौदे की संरचना तैयार थी, लेकिन अंतिम चरण में सीधे, नेतृत्व स्तर की भागीदारी आवश्यक थी।

मैं अनुबंधों पर बातचीत करता और पूरे सौदे को तैयार करता, लेकिन स्पष्ट कर दूं। यह उनका (ट्रम्प का) सौदा है। अंतिम निर्णय वही लेते हैं। वही करते हैं।

1962 की हार पर नेहरू की जिम्मेदारी बनती है, पर उन्हें हर बात के लिए दोष देना गलत : शशि थरूर

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के एक ताजा बयान ने सियासी रूप से नई हलचल मचा दी है। पिछले कुछ समय से कांग्रेस के आधिकारिक रुख के विपरीत रुख अख्तियार कर रहे शशि थरूर ने कहा है कि वह देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु के प्रशसंक हैं लेकिन उनकी सभी बातों का समर्थन करना संभव नहीं है। केरल में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शशि थरूर ने देश की राजनीति में इतिहास को लेकर जारी घमासान के बीच सत्तारुढ़ भाजपा की रणनीति पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वह देश के

पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु के प्रशंसक हैं, लेकिन अंधभक्त नहीं हैं। शशि थरूर ने कहा कि नेहरु के योगदान को नकारा नहीं जा सकता, पर यह भी सच है कि उनके हर विचार और हर निर्णय का समर्थन करना न तो जरूरी है और न ही बौद्धिक रूप से यह ईमानदारी होगा।

थरूर ने कहा कि नेहरु ने आजाद भारत की लोकतांत्रिक नींव रखी, संस्थानों को आकार दिया और भारत को विश्व पटल पर पहचान दिलाई। इसके बावजूद उनके कुछ निर्णय ऐसे रहे जिन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि 1962 के चीन युद्ध से जुड़े कुछ फैसलों पर नेहरु की जिम्मेदारी बनती है, लेकिन यह कहना कि देश की आज की हर समस्या की जड़ नेहरु ही हैं, इतिहास के साथ अन्याय है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह नेहरु को एक सुविधाजनक बलि का बकरा बना चुकी है। हर नाकामी, हर विफलता और हर असहज सवाल से बचने के लिए भाजपा बार बार नेहरु का नाम उछालती है। थरूर ने कहा कि यह रवैया न तो राष्ट्र निर्माण में मदद करता है और न ही जनता को सच्चाई से रूबरू कराता है। हम आपको बता दें कि केरल में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। कांग्रेस के भीतर इसे एक संतुलित और बौद्धिक वक्तव्य माना जा रहा है, जबकि भाजपा समर्थक इसे नेहरु विरोधी बयान करार दे रहे हैं। वैसे देखा जाये तो शशि थरूर ने न तो नेहरु की खुलकर प्रशंसा की और न ही उन्हें खलनायक बनाया। उन्होंने वह बात कही जो आज की राजनीति में कहना सबसे कठिन हो गया है। यानि इतिहास को समझा जाना चाहिए, इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। थरूर ने सही कहा कि नेहरु आलोचना से परे नहीं हैं। लेकिन सवाल यह है कि आलोचना ईमानदार है या सियासी। अगर आलोचना का मकसद सीखना है, तो इतिहास से सबक लेकर आज की नीतियों को बेहतर बनाया जाये। शशि थरूर का यह कहना कि वह नेहरु के अनक्रिटिकल फैन हैं, दरअसल भारतीय राजनीति के लिए एक आईना है। इसका अर्थ यह है कि सम्मान और विवेक साथ साथ चल सकते हैं। किसी नेता का आदर करना यह नहीं है कि उसकी हर भूल पर आंख मूंद ली जाए। और किसी नेता की आलोचना का मतलब यह नहीं कि उसे हर समस्या की जड़ घोषित कर दिया जाए।

ईरान के 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन

क्या अमेरिका के साथ इजराइल भी करेगा आक्रमण?

GANDIV REPORTER

न्यूयार्क। ईरान के 100 से ज्यादा शहरों में महंगाई के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन जोरी है। हिंसा को देखते हुए इंटरनेट और फोन सर्विस बंद कर दी गई है। इस बीच अमेरिका ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि हम अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रहे ईरानी लोगों के साथ हैं। अमेरिकी धमकी से सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिका भी ईरान पर आक्रमण करेगा?

ईरानी मुद्रा के गिरने से पैदा हुए गुस्से के बाद शुरू हुआ प्रदर्शन ईरान के सभी 31 प्रांतों के 100 से ज्यादा शहरों और कस्बों तक फैल गया। पिछले एक साल में ईरानी रियाल रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है और महंगाई 40 फीसदी तक पहुंच चुकी है।

28 दिसंबर से सड़कों पर डटे प्रदर्शनकारी ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को हटाने की मांग करते हुए देश के आखिरी शाह के निर्वासित बेटे रजा पहलवी की वापसी के नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में अब तक 45 लोग मारे जा चुके हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने सुरक्षाबलों से शांतिपूर्ण प्रदर्शनों से निपटने में पूरी संयम बरतने की अपील की थी। वहीं खामेनेई का कहना है कि अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों से बात करनी चाहिए लेकिन उपद्रवियों को उनकी जगह दिखानी चाहिए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक बार फिर चेतावनी दी कि अगर ईरानी अधिकारी प्रदर्शनकारियों को मारते हैं तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई कर सकता है। उनका कहना है कि अगर ईरान ने प्रदर्शनकारियों के साथ जबरदस्ती की तो वो ईरानी शासन को नर्क का रास्ता दिखा देंगे।

प्रवासी दिवस : विदेशों में रह रहे भारतीय, दुनिया के बीच मजबूत सेतु : मोदी

- **हर साल 9 जनवरी को मनाया जाता है प्रवासी भारतीय दिवस**
- **आज ही दिन 1915 में महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे**
- **प्रवासी भारतीय दिवस विदेश मंत्रालय का मुख्य कार्यक्रम**

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रवासी भारतीय दिवस के मौके पर विदेशों में रहने वाले भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने कहा कि विदेशों में रह रहे भारतीय, भारत और दुनिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर कहा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, प्रवासी भारतीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय डायस्पोरा भारत और दुनिया के बीच एक मजबूत सेतु बना हुआ है। वे जहां भी गए, उन्होंने वहां के समाजों को समृद्ध किया और साथ ही अपनी जड़ों से भी जुड़े रहे। मैं अक्सर कहता हूं कि हमारा डायस्पोरा हमारे राष्ट्रदूत हैं, जिन्होंने भारत की संस्कृति को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। हमारी सरकार ने हमारे डायस्पोरा को भारत के और करीब लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रवासी भारतीय दिवस हर साल 9 जनवरी को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो भारत के विकास और दुनिया में उसकी स्थिति में विदेशों में रह रहे भारतीयों के योगदान को पहचानने और सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। यह अवसर विदेशों में रहने वाले भारतीयों के

साथ जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है और विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रगति को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका को स्वीकार करता है।

9 जनवरी का दिन 1915 में महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने की याद में चुना गया था। जिन्हें व्यापक रूप से सबसे महान प्रवासी माना जाता है, महात्मा गांधी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया और देश के इतिहास को गहराई से प्रभावित किया। यह दिन भारत और विदेशों में रहने वाले उसके लोगों के बीच स्थायी बंधन का प्रतीक है।

प्रवासी भारतीय दिवस कन्वेंशन की शुरूआत सबसे पहले 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में हुई थी। इसे विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से जुड़ने और उन्हें पहचानने और भारत के साथ उनके जुड़ाव को मजबूत करने के लिए एक औपचारिक तरीके के रूप में शुरू किया गया था।

प्रवासी भारतीय दिवस विदेश मंत्रालय (एमईए) का मुख्य कार्यक्रम है और इसे देश के अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है। यह भारत की क्षेत्रीय विविधता, विकास और सांस्कृतिक विरासत को दिखाता है। साथ ही, विदेशों में रहने वाले भारतीयों को देश के साथ सीधे जुड़ने का मौका देता है।

2015 से विदेश मंत्रालय ने इस कार्यक्रम के फॉर्मेट में बदलाव किया है और प्रवासी भारतीय दिवस कन्वेंशन को दो साल में एक बार होने वाली सभा के रूप में आयोजित किया है, जिसमें बीच के सालों में थीम-आधारित कॉन्फ्रेंस होती हैं। यह तरीका खास रुचि वाले क्षेत्रों पर ज्यादा फोकस वाली चर्चाओं को संभव बनाता है और दुनिया भर में फैले भारतीय समुदाय के सदस्यों के बीच सार्थक बातचीत और नेटवर्किंग को बढ़ावा देता है।

प्रवासी भारतीय दिवस का मुख्य उद्देश्य : प्रवासी भारतीय दिवस का मुख्य उद्देश्य भारत के विकास में विदेशों में रहने वाले भारतीयों के योगदान को पहचानना और विदेशों में भारत के बारे में समझ बढ़ाना है। इसका मकसद भारत के मुद्दों के लिए समर्थन जुटाना और दुनिया भर में भारतीय समुदायों के कल्याण के लिए शुरू की गई पहलों को बढ़ावा देना भी है। पिछले कुछ सालों में इस कन्वेंशन ने अलग-अलग सेक्टरों में ज्ञान, कौशल और अनुभवों के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, जिससे भारत के अपने डायस्पोरा के साथ संबंध मजबूत हुए हैं।

प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार : प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार किसी अनिवासी भारतीय, भारतीय मूल के व्यक्ति, या उनके द्वारा स्थापित और चलाए जा रहे किसी संगठन या संस्थान को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिया जाने वाला यह पुरस्कार भारतीय डायस्पोरा के सदस्यों द्वारा विदेशों में भारत की छवि को बेहतर बनाने, भारत के मुद्दों का समर्थन करने और स्थानीय भारतीय समुदायों के कल्याण के लिए किए गए योगदान को मान्यता देता है।

डब्ल्यूपीएल : मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच पहला मैच आज

GANDIV REPORTER

नवी मुंबई। महिला प्रीमियर लीग 2026 का धमाकेदार आगाज आज से हो रहा है। पहला मुकाबला पिछली बार की विजेता मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होगा। मैच से पहले ओपनिंग सेरेमनी होगी।

ओपनिंग सेरेमनी की शुरूआत 6 बजकर 45 मिनट पर : मैच से ठीक पहले ओपनिंग सेरेमनी की शुरूआत 6 बजकर 45 मिनट पर होगी। इस ग्रैंड इवेंट में यो यो हनी सिंह, जैकलीन फर्नांडिस और हरनाज संधू परफॉर्म करने वाले हैं। हनी सिंह भारत में पहली बार किसी स्पोर्ट्स इवेंट में परफॉर्म करेंगे।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस और स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली आरसीबी

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस और स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली आरसीबी के बीच मुकाबला नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेला जाएगा। टॉस 7 बजे होगा और मैच 7:30 बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमें नीलामी के बाद पहले से ज्यादा मजबूत हुई हैं और सीजन की शुरूआत जीत के साथ करना चाहेंगी। ऐसे में दोनों टीमों के बीच होने वाले सीजन के पहले मुकाबले रोमांचक होने की उम्मीद है।

यहां देख सकेंगे मुकाबले : मुकाबले को आप टीवी पर स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकेंगे। वहीं, मोबाइल पर भी आप इस मैच का लुत्फ उठा सकते हैं। लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और उसकी वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

महिला प्रीमियर लीग का ये चौथा सीजन है। अब तक एमआई और आरसीबी के बीच कुल 7 मैच खेले गए हैं। एमआई ने 4 मैच जीते हैं, जबकि 3 मैचों में आरसीबी ने जीत हासिल की है। पिछले 3 सीजन में दो बार एमआई और एक बार आरसीबी विजेता रही है। दिल्ली कैपिटल्स तीनों बार फाइनल खेली है और उपविजेता रही है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम : स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ग्रेस हैरिस, ऋचा घोष (डब्ल्यू), नादिन डी क्लार्क, पूजा वस्त्रकार, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी, लॉरेन बेल, कुमार प्रथ्योशा, सयाली सतघरे, प्रेमा रावत, दयालन हेमलता, लिन्से स्मिथ।

मुंबई इंडियंस टीम : हेली मैथ्यूज, जी. कमालिनी (विकेटकीपर), नेट साइवर-ब्रंट, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अमेलिया केर, अमनजोत कौर, सजीवन सजना, पूनम खेमनार, संस्कृति गुप्ता, शबनीम इस्माइल, त्रिवेणी वशिष्ठ, नल्ला रेड्डी, राहिला फिरदौस, मिल्ली इलिंगवर्थ, सैका इशाक, निकोला केरी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम : स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ग्रेस हैरिस, ऋचा घोष (डब्ल्यू), नादिन डी क्लार्क, पूजा वस्त्रकार, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी, लॉरेन बेल, कुमार प्रथ्योशा, सयाली सतघरे, प्रेमा रावत, दयालन हेमलता, लिन्से स्मिथ।

मुंबई इंडियंस टीम : हेली मैथ्यूज, जी. कमालिनी (विकेटकीपर), नेट साइवर-ब्रंट, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अमेलिया केर, अमनजोत कौर, सजीवन सजना, पूनम खेमनार, संस्कृति गुप्ता, शबनीम इस्माइल, त्रिवेणी वशिष्ठ, नल्ला रेड्डी, राहिला फिरदौस, मिल्ली इलिंगवर्थ, सैका इशाक, निकोला केरी।

डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले मिताली राज का बड़ा बयान

क्रिकेटर लौरा वोल्वाड्ट को बताया दिल्ली कैपिटल्स का 'गेम चेंजर'

GANDIV REPORTER

पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स की प्रमुख खिलाड़ी लौरा वोल्वाड्ट को टीम के लिए बेहद मूल्यवान बताया है। उन्होंने नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में टीम की पहली बार खिताब जीतने की संभावनाओं का भी विश्लेषण किया। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के नए सीजन की शुरूआत से पहले जैसे-जैसे समय बीत रहा है, पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने तीन बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम और नीलामी में चुने गए उनके महत्वपूर्ण खिलाड़ियों, जिनमें लौरा वोल्वाड्ट भी शामिल हैं, का विश्लेषण किया है। राज ने नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी के पहले खिताब की संभावनाओं पर भी चर्चा की। राज ने लौरा वोल्वाड्ट, उनके नेतृत्व गुणों और अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बारे में बात की। मिताली राज ने जियोस्टार पर कहा कि लौरा वोल्वाड्ट वनडे फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में हैं। पिछले कुछ सीजन में गुजरात जायंट्स के लिए एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में उनका योगदान बहुत अधिक रहा है। वह अपनी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके नेतृत्व गुणों और बल्लेबाजी को देखते हुए, टीम उन्हें प्लेइंग इलेवन में जरूर शामिल करना चाहेगी। 2026 सीजन से पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने जेमिमा को अपना नया कप्तान घोषित किया है, जो ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की जगह लेंगी।

डब्ल्यूपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी संभालने के बारे में बात करते हुए, राज ने कहा कि उन्हें टीम का नेतृत्व करते देखना बहुत दिलचस्प होगा, और भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, वह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा। उन्होंने आगे कहा, जेमिमा रोड्रिग्स को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते देखना बहुत दिलचस्प होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी की है, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना और विदेशी खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में खेलना थोड़ा अलग होता है। हालांकि, भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, उससे यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा। दिल्ली कैपिटल्स अब तक सभी डब्ल्यूपीएल सीजन के फाइनल में पहुंची है, लेकिन ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही है।

अंतर्राष्ट्रीय टी20 विश्वकप के लिए भारत ना आने पर अड़ा बांग्लादेश, आईसीसी को दूसरा पत्र लिखकर किया अनुरोध

GANDIV REPORTER

ढाका। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को कहा कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश के वेन्यू को बदलने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को मनाने की पूरी कोशिश करेंगे, और इस बात पर जोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद बांग्लादेश की चिंताओं की गंभीरता को समझने में नाकाम रही है। इस कारण बोर्ड ने एक बार फिर वैश्विक संस्था को पत्र लिखा है और भारत में बांग्लादेश के विश्वकप मैचों को श्रीलंका स्थांतरित करने का अनुरोध किया है।

इससे पहले आईसीसी से बोर्ड को एक पत्र मिलने के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए नजरुल के बीसीबी निदेशकों से मिलने की उम्मीद थी, जिसके बाद बांग्लादेश ने औपचारिक रूप से वेन्यू बदलने का अनुरोध पहले पत्र में किया था। बीसीबी ने आईसीसी को सूचित किया था कि मुस्तफि जुर रहमान से जुड़े हालिया विवाद के बाद बांग्लादेशभारत की यात्रा करने में असमर्थ है, जब बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज को रिलीज करने के लिए कहा था। लेकिन आईसीसी ने बीसीबी को अपने जवाब में बांग्लादेश के विश्व कप कार्यक्रम पर यथास्थिति बनाए रखी और संकेत दिया कि उसे टूर्नामेंट के दौरान बांग्लादेशके लिए सुरक्षा चिंताओं का सुझाव देने वाली कोई जानकारी नहीं मिली है, नजरुल ने इस पर कड़ी असहमति जताई। नजरुल ने बुधवार को बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, हम बीसीबी निदेशकों बुलबुल (अमीनुल इस्लाम) भाई, फारूक भाई और बाकी सभी के साथ बैठे। आज हमने स्थिति पर चर्चा की और हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि बांग्लादेश ने कड़ी मेहनत से टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया है। हम एक क्रिकेट प्रेमी देश हैं और हम निश्चित रूप से खेलना चाहते हैं। लेकिन हम राष्ट्रीय अपमान की कीमत पर, अपने क्रिकेटरों, दर्शकों और पत्रकारों की सुरक्षा की कीमत पर, या देश की गरिमा की कीमत पर विश्व कप नहीं खेलना चाहते हैं। आज आईसीसी से मिले पत्र को पढ़ने के बाद, हमें लगा कि वे भारत में बांग्लादेशी क्रिकेटरों के लिए पैदा हुई गंभीर सुरक्षा स्थिति को पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं। मुझे यह सिर्फ. सुरक्षा का मामला नहीं लगता झ यह नेशनल बेइज्जती का मामला भी लगता है। फिर भी, हम इसे मुख्य रूप से सुरक्षा का मामला मान रहे हैं। जब इंडियन क्रिकेट बोर्ड खुद कोलकाता टीम से कह रहा है कि वे इस खिलाड़ी (मुस्तफि जुर) को सिक्योरिटी नहीं दे सकते, और उन्हें टीम से हटाने के लिए कह रहा है झ यह अकेला ही दिखाता है कि भारत में ऐसा माहौल नहीं है जहाँ खेलना सुरक्षित हो।

हम भारत में बड़े सांप्रदायिक हालात में नहीं जाना चाहते। लेकिन जब हमारे क्रिकेटरों की सिक्योरिटी, बांग्लादेश की सिक्योरिटी, और बांग्लादेशके सम्मान और गरिमा की बात आती है तो कोई समझौता नहीं होगा। हम क्रिकेट खेलना चाहते हैं, हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, और क्योंकि एक और होस्ट देश श्रीलंका है, हम वहाँ खेलना चाहते हैं। हम इस बात पर पक्के हैं।

बोर्ड ने कहा कि आईसीसी ने जरूरी मुद्दों को सुलझाने और सुरक्षा इंतजाम के हिस्से के तौर पर उनके इनपुट पर विचार करने के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारत में बांग्लादेश राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की सुरक्षा को लेकर बोर्ड की चिंताओं के बारे में आईसीसी से जवाब मिला है, जिसमें टीम के मैचों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का अनुरोध शामिल है। आईसीसी ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश टीम की पूरी और बिना किसी रुकावट के भागीदारी सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। आईसीसी ने उठाई गई चिंताओं को दूर करने के लिए बीसीबी के साथ मिलकर काम करने की अपनी इच्छा जताई है और भरोसा दिलाया है कि बोर्ड के इनपुट का स्वागत किया जाएगा और इवेंट के लिए विस्तृत सुरक्षा योजना पर विचार किया जाएगा।

भारत और न्यूजीलैंड का पहला वनडे वडोदरा में

GANDIV REPORTER

वडोदरा। न्यूजीलैंड की टीम 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत दौरे पर पहुंच चुकी है। दोनों टीमों के बीच 11 जनवरी से वनडे सीरीज की शुरूआत होगी। पहला मुकाबला वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज में भारतीय क्रिकेट को दो सबसे बड़े सुपरस्टार रोहित शर्मा और विराट कोहली भी हिस्सा लेंगे। रोहित और विराट टेस्ट के साथ ही टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। दोनों सिर्फ वनडे में ही खेलते हैं। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में यह पहला पुरुष इंटरनेशनल मैच होगा। 2024 में यहां भारत और वेस्टइंडीज की महिला टीमों के बीच मुकाबला हो चुका है। 200 करोड़ रुपये में यह मैदान बनकर तैयार हुआ है। यहां 40 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता है।

गिल और अय्यर वापसी कर रहे

भारतीय वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल गर्दन की इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल पाए थे। उपकप्तान श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोट लगी

थी। दोनों ही खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर नजर आएंगे। अय्यर ने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के दो मुकाबले खेलकर अपनी फिफ्टी साबित की है। वह अच्छी लय में दिख रहे हैं और एक मैच में अर्धशतक भी लगाया।

कब और कहां देखें लाइव मैच?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रविवार 11 जनवरी को खेला जाएगा। मैच की शुरूआत भारतीय समय अनुसार दोपहर एक बजकर 30 मिनट पर होगी। मैच के लिए टॉस 1 बजे हो जाएगा। इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। इसके साथ ही ब्रॉडकास्टर देखने के लिए स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर जाया जा सकता है।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल।

न्यूजीलैंड : माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, जैक फाउल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनोक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

मलेशिया ओपन में भारत का डबल धमाल

बैडमिंटन स्टार्स खिलाड़ी पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। मलेशिया ओपन में भारतीय बैडमिंटन स्टार्स का शानदार प्रदर्शन जारी है, जहाँ पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग की जोड़ी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। सिंधु ने जापान की तोमोका मियाजाकी को हराया, जबकि सात्विक-चिराग ने मलेशियाई जोड़ी को मात देकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को चल रहे मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सुपर 1000 प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, पूर्व विश्व चैंपियन ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपियन ने अपने पहले दौर के मैच में विश्व नंबर 33 की खिलाड़ी सुंग शुओ-युन (चीनी ताइपे) को 21-13, 22-20 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधु ने पहले गेम में 21-8 से दबदबा बनाया और दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल करके अपनी लय बरकरार रखी। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में, तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 और 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ अपना शीर्ष रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।

अब उनका मुकाबला चीन के ताइपे के चेन झी रे/लिन यू चिएह और छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियन/फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। चिराग और सात्विकसाईराज ने चीन के ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन को 21-13, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह मैच मात्र 35 मिनट तक चला।

एशियन इंडोर चैंपियनशिप : तजिंदरपाल तूर के नेतृत्व में उतरेगी भारतीय टीम

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। गोला फेंक में दो बार के एशियन इंडोर चैंपियन तजिंदरपाल सिंह तूर चीन के तियानजिन में 6 से 8 फरवरी तक होने वाली 12वीं एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 17 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारतीय टीम 3 फरवरी को कॉन्टिनेंटल इंडोर मीट के लिए रवाना होगी।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का ऐलान : एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने गुरुवार को एशियन इंडोर चैंपियनशिप के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम की औपचारिक घोषणा की।

तजिंदरपाल तूर का शानदार रिकॉर्ड : पंजाब के 31 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल तूर का राष्ट्रीय आउटडोर रिकॉर्ड 21.77 मीटर है, जो उन्होंने 2023 में ओडिशा के भुवनेश्वर में बनाया था। दो बार के एशियन गेम्स चैंपियन तूर ने कजाकिस्तान के नूर-सुल्तान में हुई 10वीं एशियन इंडोर चैंपियनशिप में भी गोला फेंक का स्वर्ण पदक जीता था।

पुरुष वर्ग में अनुभवी और युवा एथलीट शामिल

लंबी कूद में शाहनवाज खान और अनुभवी ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवेल चीन में होने वाली एशियन इंडोर चैंपियनशिप से अपने 2026 सीजन की शुरूआत करेंगे। वहीं, हेप्टाथलॉन में तेजस्विन शंकर और 60 मीटर स्प्रिंट में मणिकांत होबलीधर पुरुष टीम के प्रमुख नाम हैं।

महिला एथलीटों से भी मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद : शीर्ष महिला स्प्रिंटर्स नित्या गंधे और अभिनय राजराजन तियानजिन में 60 मीटर डैश में भाग लेंगी। मौमिता मंडल 60 मीटर हर्डल्स और महिलाओं की लंबी कूद में हिस्सा लेंगी।

पिछली चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन

एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में ईरान के तेहरान में 13 भारतीय एथलीटों (छह महिलाएं और सात पुरुष) ने हिस्सा लिया था। भारत ने इस प्रतियोगिता को चार पदकों के साथ समाप्त किया था, जिसमें तीन स्वर्ण और एक रजत पदक शामिल था।

तेहरान में तूर का स्वर्णिम प्रदर्शन : तेहरान में आयोजित 11वीं एशियन इंडोर मीट में तजिंदरपाल तूर ने 19.72 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

भारतीय पुरुष टीम : मणिकांत होबलीधर (60 मी), तेजस शिरसे (60 मी हर्डल्स), जे आदर्श राम (ऊंची कूद), सीवी अनुराग और शाहनवाज खान (लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल और तजिंदरपाल सिंह तूर (गोला फेंक), तथा तेजस्विन शंकर (हेप्टाथलॉन)।

भारतीय महिला टीम : नित्या गंधे और अभिनय राजराजन (60 मी), मौमिता मंडल और प्रज्ञान प्रशांति साहू (60 मी हर्डल्स), पूजा (ऊंची कूद), एंसी सोजन और मौमिता मंडल (लंबी कूद), योगिता (गोला फेंक) और केए अनामिका (पेंटाथलॉन)।

शत्रुघ्न सिन्हा ने रीना रॉय को जन्मदिन पर दी बधाई, कभी बताया था खास दोस्त

शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय के बारे में अफवाह थी कि पूनम सिन्हा से शादी के बाद भी वे रिलेशनशिप में थे। एक्टर ने अपनी बायोग्राफी एनीथिंग बट खामोशः द शत्रुघ्न सिन्हा बायोग्राफी में अपने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के बारे में लिखा था, जिसे भारती एस प्रधान ने लिखा है। उन्होंने उन्हें बाहरवाली कहा था।

शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय के बारे में अफवाह थी कि पूनम सिन्हा से शादी के बाद भी वे रिलेशनशिप में थे। एक्टर ने अपनी बायोग्राफी एनीथिंग बट खामोशः द शत्रुघ्न सिन्हा बायोग्राफी में अपने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के बारे में लिखा था, जिसे भारती एस प्रधान ने लिखा है। उन्होंने उन्हें बाहरवाली कहा था। उनके रिश्ते खत्म होने के सालों बाद, सिन्हा ने आज, 7 जनवरी को एक्ट्रेस के लिए जन्मदिन की बधाई लिखी है। एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर उनकी फिल्मों की कुछ तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, एक बहुत प्यारी दोस्त, अब तक की सबसे अच्छी एक्ट्रेस में से एक, हमेशा चार्मिंग स्टार, एक महान इंसान, कुल मिलाकर शानदार पर्सरीना रॉय को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। आप हमेशा खूब खुश रहें।

शत्रुघ्न सिन्हा ने रीना रॉय की प्रतिभा और पर्सनैलिटी की तारीफ की, उन्हें अपनी पीढ़ी की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक बताया। अपने पोस्ट में, उन्होंने उनके अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना की, और कहा कि वह स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर दोनों जगह हमेशा चार्मिंग बनी रहती हैं।

दिग्गज एक्टर के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए, शत्रुघ्न सिन्हा ने लिखा, एक बहुत प्यारी दोस्त, अब तक की सबसे अच्छी एक्ट्रेस में से एक, हमेशा चार्मिंग स्टार, एक महान इंसान, कुल मिलाकर शानदार पर्सनैलिटी #रीना रॉय को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। आप हमेशा खूब खुश रहें।

एक्टर्स के पुराने रोमांटिक रिश्ते को देखते हुए, जन्मदिन की इस शुभकामना ने फैंस के बीच पुरानी यादें ताजा कर दीं। शत्रुघ्न और रीना 1970 के दशक की सबसे पॉपुलर ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक थे और उन्होंने कई सफल फिल्मों में साथ काम किया था। उनका साथ सुभाष घई की 1976 की फिल्म कालीचरण से शुरू हुआ, जो शत्रुघ्न के करियर में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई और उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया। इस जोड़ी ने मिलाप, संग्राम, सत श्री अकाल और चोर हो तो ऐसा जैसी हिट फिल्मों में साथ काम किया।

उनकी जबरदस्त ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री जल्द ही असल ज़िंदगी के रिश्ते में बदल गई, और कुछ समय के लिए, फैंस को लगा कि दोनों आखिरकार शादी कर लेंगे। हालांकि, रीना रॉय के साथ अपने रिश्ते के चरम पर, शत्रुघ्न ने पूनम चंदीरामानी से शादी करके कई लोगों को चौंका दिया, जो उनकी फिल्म सबक की को-स्टार थीं और जिनसे वह सालों पहले एक ट्रेन यात्रा के दौरान मिले थे।

एक पुराने इंटरव्यू में, शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी ज़िंदगी के उस दौर पर बात की और बताया कि उन्होंने रीना रॉय से शादी क्यों नहीं की। उन्होंने बताया कि ज़िंदगी में कुछ पल ऐसे आते हैं जब इंसान मुश्किल मोड़ पर खड़ा होता है, जहाँ फैसले लेना मुश्किल होता है और हो सकता है कि वे हमेशा सबके हक में न हों। शत्रुघ्न सिन्हा ने बुधवार को एक पोस्ट एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर की, इसमें रीना रॉय को अपना प्यारा दोस्त कहा। वह लिखते हैं, एक बहुत प्यारी दोस्त, अब तक की सबसे अच्छी एक्ट्रेस में से एक, हमेशा चार्मिंग स्टार, एक बेहतरीन इंसान, कुल मिलाकर शानदार पर्सनालिटी रीना रॉय को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। आप हमेशा खूब खुश रहें। रीना रॉय को शत्रुघ्न सिन्हा ने जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं, इस बात से कई फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स हैरान हुए। दरअसल, 70 और 80 में शत्रुघ्न सिंह और रीना रॉय के बीच एक कथित लव अफेयर रहा।

6 मिनट की डांस परफॉर्मेंस के तमन्ना भाटिया ने चार्ज किए 6 करोड़ रुपए

तमन्ना भाटिया साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री पर राज कर रही हैं। फिल्मों में तमन्ना के आइटम सॉन्ग गर्दा उड़ा देते हैं। अपनी बढ़ती पॉपुलैरिटी के साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी फीस में भी जबरदस्त इजाफा किया है। हाल ही में एक इवेंट में कुछ मिनट परफॉर्म करने के लिए तमन्ना ने करोड़ों रुपए चार्ज किए हैं।

गोवा में एक हाई प्रोफाइल न्यू ईयर पार्टी में तमन्ना ने महज 6 मिनट डांस परफॉर्म करने के लिए 6 करोड़ रुपए फीस ली। यानी उन्होंने प्रति मिनट लगभग 1 करोड़ रुए कमाए, जो उनकी लोकप्रियता और डिमांड को साफ तौर पर दशार्ता है।

यह इवेंट गोवा के बागा बीच स्थित लास ओलास बीच क्लब में आयोजित किया गया था। इस इवेंट में तमन्ना ने अपने हिट डांस मूव्स से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। तमन्ना के साथ सोनम बाजवा भी इस इवेंट में शामिल हुई थीं।

बता दें कि तमन्ना भाटिया ने कई फिल्मों में अपने स्पेशल डांस नंबर्स के जरिए जबरदस्त पहचान बनाई हैं। उन्होंने जेलर फिल्म के कावाला, स्त्री 2 के आज की रात, रेड 2 के नशा

ओ रोमियो : तमन्ना भाटिया की फिल्म ओ रोमियो वेलेंटाइन वीक में 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। इसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर भी लीड रोल में नजर आएंगे। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म का डायरेक्शन विशाल भारद्वाज ने किया है।

विवान : फरवरी के बाद 15 मई 2026 को तमन्ना की फिल्म विवान रिलीज होगी।इसमें तमन्ना के साथ अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा लीड रोल में दिखाई देंगे।ये एक थ्रिलर फिल्म है।

रेंजर : साल 2026 के आखिरी में तमन्ना भाटिया की फिल्म रेंजर आएगी। ये पिक्चर 4 दिसंबर 2026 को रिलीज की जाएगी। इस एक्शन एडवेंचर फिल्म में तमन्ना के साथ बॉलीवुड के दो बड़े सुपरस्टार्स संजय दत्त और अजय देवगन नजर आने वाले हैं। इसके डायरेक्शन की बागडोर जगन शक्ति ने संभाली है और इसके प्रोड्यूसर हैं लव रंजन।

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया की राहें हुईं जुदा, अधूरा छूटा साथ! एपी ढिल्लों कॉन्सर्ट के बाद आई ब्रेक अप की रिपोर्ट

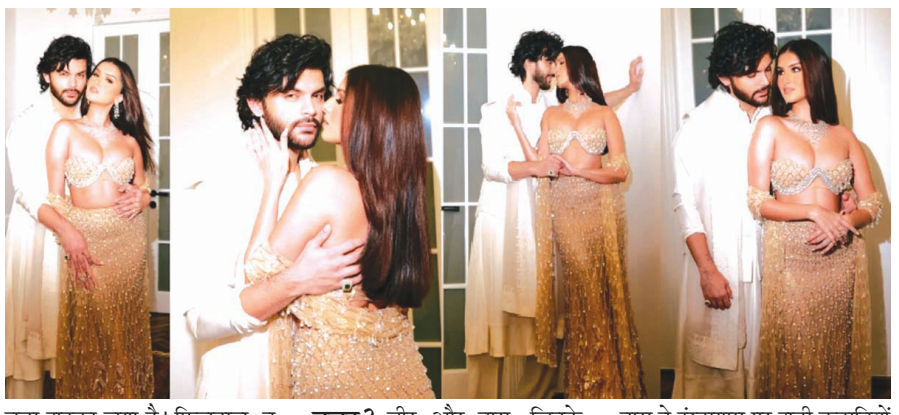

बॉलीवुड के गलियारों से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। साल 2025 में अपनी केमिस्ट्री से सबका ध्यान खींचने वाली जोड़ी, तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के ब्रेकअप की खबरें तेज हैं। अभी कुछ ही महीने पहले तारा और वीर ने सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक तस्वीरों के जरिए अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। बॉलीवुड के गलियारों से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। साल 2025 में अपनी केमिस्ट्री से सबका ध्यान खींचने वाली जोड़ी, तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के ब्रेकअप की खबरें तेज हैं। अभी कुछ ही महीने पहले तारा और वीर ने सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक तस्वीरों के जरिए अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। लेकिन अब फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस कपल ने अलग होने का फैसला कर लिया है। उनके करीबी सूत्रों ने इस अलगाव की पुष्टि की है, जिससे वीर-तारा के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। फिलहाल, न तो तारा सुतारिया और न ही वीर पहाड़िया ने इन अफवाहों पर कोई आधिकारिक बयान दिया है। दोनों ने ही इस मामले पर चुप्पी साध रखी है। इस अचानक हुए ब्रेकअप के पीछे की असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है। फैंस यह जानने को उत्सुक हैं कि आखिर इतने कम समय में इस खूबसूरत जोड़ी के बीच ऐसा क्या हुआ कि बात अलगाव तक पहुँच गई।

क्या एपी ढिल्लों कॉन्सर्ट है वजह? वीर और तारा, जिनके बारे में कहा जा रहा था कि उनका रिश्ता अच्छा चल रहा है, एक अप्रत्याशित वजह से सुर्खियों में आ गए। तारा और वीर ने एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो पर बात की, जिसमें तारा ने स्टेज पर सिंगर के साथ एक फ्रेंडली पल शेयर किया था। सोशल मीडिया यूजर्स ने ऑडियंस में वीर के रिएक्शन पर जूम किया, और इसे उनकी बेचैनी समझा। अफवाहों को खत्म करते हुए, तारा ने इंस्टाग्राम पर झूठी कहानियों और पेड पीआर की आलोचना की। वीर ने भी साफ किया कि वायरल क्लिप को गुमराह करने के लिए एडिट किया गया था। बाद में, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी द्वारा पोस्ट किए गए एक अनएडिटेड वीडियो में, वीर को तारा और एपी ढिल्लों के लिए चीयर करते देखा गया। वीर ने वीडियो को रीपोस्ट किया और लिखा, सच की हमेशा जीत होती है (जो मीडिया आपको कभी नहीं दिखाएगा)।

पराशक्ति का सेंसर विवाद खत्म! सुधा कोंगारा की फिल्म को मिली हरी झंडी

जन नायकन के बाद, सुधा कोंगारा और शिवकार्तिकेयन की आने वाली फिल्म परशक्ति को सेंसर से जुड़ी सभी समस्याओं से मंजूरी मिल गई है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 10 जनवरी को रिलीज से पहले इसे व/अ 16+ सर्टिफिकेट दिया है। फिल्म का सर्टिफाइड रनटाइम दो घंटे, 42 मिनट और 43 सेकंड है। फिल्म के ऑफिशियल प्रोडक्शन हाउस, डॉन पिक्चर्स ने एक खास पोस्ट के साथ इस खबर का जश्न मनाया, एक आग जो सभी उम्र के लोगों से बात करती है #परशक्ति को व/अ सर्टिफिकेट मिला है झ कल से दुनिया भर के सिनेमाघरों में। मेकर्स के अनुसार, परशक्ति को व/अ सर्टिफिकेट मिला है, जिसका मतलब है कि इसे 16 साल से ज्यादा उम्र के दर्शक बड़ों की देखरेख में देख सकते हैं। फिल्म का रनटाइम 2 घंटे और 42 मिनट है। जैसा कि प्लान था, जन नायकन रिलीज नहीं हो रही है, इसलिए परशक्ति अब वीकेंड बॉक्स ऑफिस और पोंगल रिलीज का फायदा उठाने के लिए तैयार है।

परशक्ति : कास्ट और क्रू के बारे में आपको जो कुछ भी जानना है परशक्ति में शिवकार्तिकेयन मुख्य भूमिका में हैं और इसे सुधा कोंगारा ने डायरेक्ट किया है। कास्ट में श्रीलीला भी हैं, जो फीमेल लीड के तौर पर तमिल डेब्यू कर रही हैं, और रवि मोहन विलेन की भूमिका में हैं। अथर्व मुरली फिल्म में शिवकार्तिकेयन के छोटे भाई का किरदार निभा रहे हैं। परशक्ति आंशिक रूप से 1965 में तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलनों से प्रेरित है। शिवकार्तिकेयन के लिए, परशक्ति एक मील का पत्थर प्रोजेक्ट है क्योंकि यह लीड एक्टर के तौर पर उनकी 25वीं फिल्म है। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि परसाशक्ति को मूल रूप से पुरनानूरु के तौर पर बनाया गया था, जिसमें अलग कास्ट थी जिसमें सूर्या, दुलकर सलमान, विजय वर्मा और नाजरिया शामिल थे।

रिव्यू : द राजा साब–भूत बन चुके दादा और पोते की बोझिल कहानी

प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म द राजा साब को बीते साल रिलीज होना था, लेकिन बड़े सेटअप व हैवी वीएफएक्स के चलते शूटिंग में हुई देरी हुई और इसी कारण यह इस साल रिलीज हुई। फिल्म का बजट 400-450 करोड़ बताया जा रहा है। इसके लिए खासतौर पर एक विशाल हवेली का सेट बनाया गया, क्योंकि फिल्म की काफी कहानी इसी हवेली में घटती है।

द राजा साब की कहानी

फिल्म की कहानी के मुताबिक, राजू उर्फ राजा साब (प्रभास) अपनी दादी गंगा मां (जरीना वहाब) के साथ गांव में रहता है। उसकी दादी अक्सर उसके दादा कनकराजू (संजय दत्त) को याद करती है, जो कि एक चोर की तलाश में लापता हो गए। एक दिन अचानक राजू को अपने दादा के हैदराबाद में होने की खबर मिलती है। वहां पहुंचने पर उसका सामना अपने दादा से जुड़ी खौफनाक और हैरतअंगेज हकीकत से होता है। साथ ही उसे पता लगता है कि उसकी दादी देवनगर साम्राज्य की राजकुमारी हैं। दादी और दादा से जुड़ी पहेलियों को सुलझाने की खातिर वह घने जंगल में स्थित अपने दादा की भूतिया हवेली में पहुंचता है, जहां उसका मुकाबला भूत बन चुके अपने दादा से होता है। दादा और पोते की इस जंग में कौन जीतता है? यह जानने के लिए आपको सिनेमाघर जाना होगा।

राजा साब का रिव्यू : फिल्म के निर्देशक मारुति ने इसकी कहानी और स्क्रीनप्ले भी खुद ही लिखा है। फिल्म की शुरूआत हल्के-फुल्के अंदाज में होती है, जो आपको एक बेहतर फिल्म की उम्मीद जगाती है। लेकिन धीरे- धीरे फिल्म की कहानी बोझिल होने लगती है। वहीं इंटरवल के बाद तो कहानी इतनी ज्यादा उलझ जाती है कि आप क्लाईमैक्स तक भी उससे उबर नहीं पाते। इस फिल्म को भले ही हॉरर कॉमेडी के तौर पर प्रचारित किया हो, लेकिन फिल्म का हॉरर आपको बमुश्किल ही डराता है। वहीं कॉमेडी जरूर कुछ दृश्यों में आपको हंसाती है। लेकिन निर्देशक ने फिल्म में इतने ज्यादा मसाले डाले हैं कि उनकी ओवरडोज के चलते आपका मजा किरकिरा हो जाता है। कभी यह आपको हॉलिवुड की किसी फैंटेसी फिल्म की याद दिलाती है, तो कभी पीरियड फिल्म या फिर साइंस एडवेंचर फिल्म की। कई सीन आपको सीधे तौर पर हॉलिवुड से प्रेरित लगते हैं। प्रभास जैसे बड़े सितारे का भरपूर इस्तेमाल करने की चाहत में मारुति ने फिल्म में इतना सबकुछ परोस दिया, जिसके चलते फिल्म की लंबाई तीन घंटे हो गई। इस फिल्म को अगर एडिटिंग टेबल पर दो- सवा दो घंटे में एडिट करके रिलीज किया जाता, तो शायद यह ज्यादा बेहतर हो सकती थी।

राजा साब की कास्ट : कलाकारों की एक्टिंग की बात करें, तो प्रभास ने अपनी ओर से पूरी कोशिश की है, लेकिन कमजोर व उलझी हुई स्क्रिप्ट के चलते वह कुछ खास नहीं कर पाए। लगातार कई फिल्मों के असफल प्रदर्शन के बाद उन्हें अपनी फिल्मों को चुनते वक्त सावधान रहना होगा। वहीं संजय दत्त के पास हेवी वीएफएक्स वाले सींस के चलते करने के लिए कुछ खास नहीं था। उधर फिल्म की तीनों हीरोइनों के पास भी कुछ सींस व गानों के अलावा कुछ खास काम नहीं है। जरीना वहाब व बोमन ईरानी अपने रोल में ठीकठाक लगे। फिल्म की सिनेमटोग्रफी व वीएफएक्स का काम अच्छा है। फिल्म का म्यूजिक कुछ खास नहीं है और कहानी की रफ्तार को कमजोर करता है। डायरेक्टर ने आखिर में इसके सीक्वल की भी घोषणा की है। फिल्म की शुरूआत हल्के-फुल्के अंदाज में होती है, जो आपको एक बेहतर फिल्म की उम्मीद जगाती है। लेकिन धीरे- धीरे फिल्म की कहानी बोझिल होने लगती है। वहीं इंटरवल के बाद तो कहानी इतनी ज्यादा उलझ जाती है कि आप क्लाईमैक्स तक भी उससे उबर नहीं पाते। इस फिल्म को भले ही हॉरर कॉमेडी के तौर पर प्रचारित किया हो, लेकिन फिल्म का हॉरर आपको बमुश्किल ही डराता है। वहीं कॉमेडी जरूर कुछ दृश्यों में आपको हंसाती है। लेकिन निर्देशक ने फिल्म में इतने ज्यादा मसाले डाले हैं कि उनकी ओवरडोज के चलते आपका मजा किरकिरा हो जाता है। कभी यह आपको हॉलिवुड की किसी फैंटेसी फिल्म की याद दिलाती है, तो कभी पीरियड फिल्म या फिर साइंस एडवेंचर फिल्म की। कई सीन आपको सीधे तौर पर हॉलिवुड से प्रेरित लगते हैं। प्रभास जैसे बड़े सितारे का भरपूर इस्तेमाल करने की चाहत में मारुति ने फिल्म में इतना सबकुछ परोस दिया, जिसके चलते फिल्म की लंबाई तीन घंटे हो गई। इस फिल्म को अगर एडिटिंग टेबल पर दो- सवा दो घंटे में एडिट करके रिलीज किया जाता, तो शायद यह ज्यादा बेहतर हो सकती थी। एक दिन अचानक राजू को अपने दादा के हैदराबाद में होने की खबर मिलती है। वहां पहुंचने पर उसका सामना अपने दादा से जुड़ी खौफनाक और हैरतअंगेज हकीकत से होता है। साथ ही उसे पता लगता है कि उसकी दादी देवनगर साम्राज्य की राजकुमारी हैं।